संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

ॐ

■ वर्ष -17 ■ अंक-140 ■ रायपुर, शनिवार 17 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : सप्तमी
नक्षत्र : मूल
प्रथम करण : गर
द्वितीय करण : वणिज
पक्ष : शुक्ल
वार : शनिवार
योग : अतिगण्ड
सूर्योदय : 06:23
सूर्यास्त : 17:48
चंद्रमा : धनु राशि में
राहुकाल : 09:15:-10:40
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवतः 1948
मासः आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीतः 11:43-12:29

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल का कारावास

बलौदाबाजार। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए आरोपी मुकेश निषाद को 20 वर्ष के कठोर कारावास एवं कुल 6000 रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया है। पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के करही चौकी का है। न्यायालय में अभियोजन की ओर से निशा शर्मा विशेष लोक अभियोजक ने पक्ष रखा। आरोपी मुकेश कुमार निषाद नाबालिग पीड़िता को शादी का प्रलोभन देकर बहला फुसलाकर भागकर अपने साथ महाराष्ट्र पुणे लेकर गया और वहां तुम मेरी पत्नी हो कहकर एक माह तक पीड़िता के साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाया, जिससे पीड़िता दो माह की गर्भवती हो गई थी। इसके पूर्व भी आरोपी पीड़िता को ग्राम बलोदी जिला दुर्ग के नर्सरी में ले जाकर शारीरिक संबंध बनाया था। पीड़िता का उसके माता-पिता की सहमति से जिला अस्पताल बलौदाबाजार में गर्भपात करवाया गया और उसके गर्भधान उत्पाद के जैविक पितृत्व मिलन के लिए डीएनए टेस्ट राज्य न्यायालय के विज्ञान प्रयोगशाला रायपुर में करवाया गया, जिसमें आरोपी पीड़िता गर्भस्थ भ्रूण का जैविक पिता है सिद्ध होने पर विशेष न्यायाधीश (पाक्सो) बलौदाबाजार (पीठासीन अधिकारी गिरजेश प्रताप सिंह) के न्यायालय ने आरोपी मुकेश कुमार निषाद को बीस साल का कठोर कारावास की सजा सुनाई। पुलिस की उत्कृष्ट विवेचना व सबूत न्यायालय में पेश किया गया। शासकीय अभियोजक ने पूरे मामले को प्रमुखता से रखा, जिसके बाद न्यायालय ने सजा सुनाई।

पति को मारकर सांप से कटवाने वाली महिला और उसके बॉयफ्रेंड को फांसी

मेरठ। पति को मारकर सांप से कटवाने के मामले में कोर्ट ने सजा का ऐलान कर दिया है। जानकारी के मुताबिक पति अमित कश्यप को मारकर सांप से कटवाने वाली महिला रविता और उसके बॉयफ्रेंड अमरदीप को मेरठ की कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। बता दें कि मेरठ की कोर्ट ने दो दिन में दूसरी बार बड़ी सजा का ऐलान किया है। इससे पहले कोर्ट ने मुस्कान और साहिल को भी फांसी की सजा सुनाई थी।

दरअसल, बहसुमा थाना क्षेत्र के अकबरपुर सादात गांव के रहने वाले अमित कश्यप की उनकी पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या कर दी थी। अमित कश्यप टाइल और पत्थर लगाने का काम करता था।

मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर में यश फैन्स एंड एप्लायंसेस लिमिटेड की नई औद्योगिक इकाई का किया भूमिपूजन

युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही छत्तीसगढ़ सरकार : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास का लाभ प्रदेश के युवाओं तक रोजगार और आर्थिक अवसरों के रूप में पहुंचे, यह राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य से नई औद्योगिक विकास नीति में ऐसे श्रम आधारित उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिनमें अपेक्षाकृत कम पूंजी निवेश के साथ बड़ी संख्या में रोजगार सृजित करने की क्षमता है। राज्य सरकार का लक्ष्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं, बल्कि निवेश को रोजगार, स्थानीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और प्रदेश की समृद्धि का माध्यम बनाना है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर में यश फैन्स एंड एप्लायंसेस लिमिटेड की प्रस्तावित नई औद्योगिक इकाई के भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यश फैन्स एंड एप्लायंसेस लिमिटेड की नई इकाई छत्तीसगढ़ की औद्योगिक विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस परियोजना में 150 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश प्रस्तावित है और इससे साढ़े तीन हजार से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इस इकाई में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों के लिए उत्पादों का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन है। हमारी सरकार चाहती है कि छत्तीसगढ़ में ऐसे उद्योग अधिक से अधिक स्थापित हों, जो प्रदेश के युवाओं और महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराएं। जब युवाओं को अपने ही प्रदेश में कौशल और क्षमता के अनुरूप रोजगार मिलेगा तो उनके परिवार आर्थिक रूप से सशक्त होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम के दौरान नवचयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि युवाओं के हाथ में नियुक्ति पत्र देना किसी भी औद्योगिक निवेश की सबसे सार्थक उपलब्धि है। एक रोजगार केवल एक व्यक्ति को आत्मनिर्भर नहीं बनाता, बल्कि पूरे परिवार के जीवन में आर्थिक सुरक्षा और नई उम्मीद लेकर आता है। मुख्यमंत्री ने युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर तैयार करने की पहल के लिए यश ग्रुप की सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प में छत्तीसगढ़ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन, कौशल विकास और आधुनिक अधोसंरचना के विस्तार पर एक साथ काम किया जा रहा है। प्रदेश में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों, ऊर्जा, कुशल मानव संसाधन और बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ उठाकर छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख औद्योगिक और निवेश केंद्रों में स्थापित करने की दिशा में सरकार निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नई औद्योगिक विकास नीति 2024-2030 में रोजगार सृजन करने वाले उद्योगों के लिए विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान किया है। नीति तैयार करते समय इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया है कि प्रदेश में आने वाला निवेश स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अधिक से अधिक अवसर पैदा करे। टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा और अन्य श्रम आधारित क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के साथ ही उद्योग लगाने और संचालित करने की प्रक्रियाओं को सरल बनाया जा रहा है। उद्यमियों को अनावश्यक प्रक्रियाओं और जटिलताओं से मुक्ति दिलाने के लिए लगातार सुधार किए गए हैं। जन विश्वास से जुड़े सुधारों के अंतर्गत 279 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने की विशेष पहल की गई है। विभिन्न अनुमतियों और स्वीकृतियों की प्रक्रिया को सरल एवं समयबद्ध बनाया जा रहा है, ताकि निवेश प्रस्ताव तेजी से धरातल पर उतरें और उत्पादन तथा रोजगार सृजन शीघ्र प्रारंभ हो सके।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक विकास नीति को देश-विदेश के निवेशकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। प्रदेश को साढ़े आठ लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। अब सरकार का विशेष जोर इन निवेश प्रस्तावों को तेजी से धरातल पर उतारने पर है। निवेशकों को परियोजनाओं की स्थापना से लेकर संचालन तक हर स्तर पर आवश्यक सहयोग दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि औद्योगिकीकरण का विस्तार केवल कुछ क्षेत्रों तक सीमित न रहे, बल्कि प्रदेश के अलग-अलग अंचलों तक पहुंचे। स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्योगों के विकास से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि यश ग्रुप की यह नई इकाई नवा रायपुर और आसपास के क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को गति देने के साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगी। उन्होंने कंपनी प्रबंधन को राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि परियोजना समयबद्ध रूप से पूर्ण हो और शीघ्र उत्पादन प्रारंभ करे, इसके लिए संबंधित विभाग आवश्यक समन्वय और सहयोग सुनिश्चित करेंगे।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम के सख्त निर्देश- रबी 2025 के अंतर्गत किसानों के लंबित फसल बीमा क्लेम का आगामी तीन कार्य दिवस में होगा भुगतान

रायपुर ■ दैनन्दिनी



कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के सख्त निर्देश पर रबी सीजन 2025 के अंतर्गत उद्यानिकी फसलों के लंबित प्रधानमंत्री फसल बीमा क्लेम का भुगतान आगामी तीन कार्य दिवस के भीतर किया जाएगा। किसानों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मंत्री श्री नेताम ने 16 अक्टूबर 2026 को विभागीय अधिकारियों और बीमा अधिकारियों की बैठक लेकर लंबित प्रकरणों की समीक्षा की तथा पात्र किसानों के बैंक खातों में बीमा राशि का भुगतान निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस निर्णय से प्रदेश के 8 हजार 444 किसानों को लगभग 3.8 करोड़ रुपये की बीमा राशि का लाभ मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि 15 अक्टूबर 2026 को राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव विकासखंड अंतर्गत ग्राम चिद्दों के भ्रमण के दौरान किसानों ने मंत्री श्री नेताम से चर्चा करते हुए उद्यानिकी फसलों के बीमा क्लेम का भुगतान नहीं होने की शिकायत की थी। किसानों ने अपनी समस्या से मंत्री को अवगत कराते हुए लंबित बीमा राशि का भुगतान कराने का आग्रह किया। इस पर मंत्री श्री नेताम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पहल की और अगले ही दिन संबंधित विभागीय एवं बीमा अधिकारियों की बैठक लेकर भुगतान की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों के लंबित स्वीकृत क्लेम का भुगतान आगामी तीन कार्य दिवस के भीतर हर हाल में सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को समय पर आर्थिक राहत मिल सके। गौरतलब है कि पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अंतर्गत प्रदेश के किसानों ने टमाटर, बैंगन, गोभी, प्याज और आलू सहित विभिन्न उद्यानिकी फसलों का बीमा कराया है। विभागीय एवं बीमा अधिकारियों के अनुसार, रबी सीजन 2025 के लिए कुल 10 हजार 514 किसानों ने 15 हजार 298 आवेदन प्रस्तुत किए थे। परीक्षण के उपरांत इनमें से 8 हजार 444 किसानों के 14 हजार 344 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं।

दिसंबर में 2 दिवसीय दौरे पर कनाडा जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी



नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने दिसंबर में कनाडा के 2 दिवसीय दौरे पर जाएंगे। ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को बताया कि प्रधानमंत्री 11 और 12 दिसंबर को कनाडा प्रवास पर रहेंगे। उच्चायोग ने यह घोषणा मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच मंगलवार को हुई टेलीफोन वार्ता के बाद की है। बातचीत में दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के प्रयासों को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है। उच्चायोग ने एक्स पर मोदी के दौरे को लेकर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11-12 दिसंबर 2026 को कनाडा का दौरा करेंगे। हाल ही में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ हुई बातचीत में, दोनों नेताओं ने संबंधों में सकारात्मक गति को आगे बढ़ाने और व्यापार, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, सुरक्षा और लोगों के बीच संबंधों में ठोस परिणाम प्राप्त करने की दिशा में काम करने पर सहमति व्यक्त की। इससे पहले प्रधानमंत्री कार्नी ने कैलगरी में इसकी जानकारी दी थी। मोदी और कार्नी की फोन पर बात ऐसे समय पर हुई है, जब कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू एक व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए 6 दिवसीय भारत दौरे पर हैं।

अभिजीत दिपके को प्रदर्शन से पहले हिरासत में लिया गया, नेहा बोरा भी डिटेन

नई दिल्ली ■ एजेंसी



कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इसके अलावा AISA की अध्यक्ष नेहा बोरा को भी डिटेन कर लिया गया है। पुलिस ने शुक्रवार की शाम ये कार्रवाई की है। बता दें कि सीजेपी के सदस्यों सौरव दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी के बाद अभिजीत दिपके ने दिल्ली के कनॉट प्लेस पर स्थित सेंट्रल पार्क में प्रदर्शन का ऐलान किया था। हालांकि, शुक्रवार को होने वाले इस प्रदर्शन से पहले ही पुलिस ने अभिजीत दिपके को हिरासत में ले लिया है। सामने आई जानकारी के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने दिपके को प्रिवेंटिव कस्टडी में लिया है। उन्हें सेंट्रल पार्क जाने के दौरान हिरासत में लिया गया। इसके अलावा नेहा बोरा को मंडी हाउस से हिरासत में लिया गया है। अभिजीत दिपके के घर जाकर दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को 2 नोटिस दिया था। एक नोटिस नई दिल्ली की तरफ से दिल्ली पुलिस एक्ट के तहत दिया गया है जिसमें बताया गया है कि वह सेंट्रल पार्क न आएं, वहां BNS की धारा 163 लागू है। दूसरा नोटिस साउथ वेस्ट दिल्ली पुलिस की तरफ से दिया गया था जिसमें अभिजीत को बताया गया है कि अभिजीत, आशुतोष और सौरव को बाउंड डाउन किया गया था जब एयरपोर्ट से एहतियातन हिरासत में लेकर कोर्ट में पेश किया गया था।

विपक्ष की "सत्ता परिवर्तन" की मांग से उसका असली एजेंडा उजागर : नितिन नवीन

नई दिल्ली ■ एजेंसी



भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वह विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत करके भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष की "सत्ता परिवर्तन" की मांग ने उसके असली एजेंडे को उजागर कर दिया है। उनकी यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' में कथित अनियमितताओं के खिलाफ चल रहा आंदोलन वास्तव में सत्ता परिवर्तन की लड़ाई बन गया है।

देसीउत्पाद खोजें

बीजेपी ने प्रदर्शनकारियों पर आरोप लगाया कि वे बिना किसी चुनावी जनादेश के, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार को हटाने की कोशिश कर रहे हैं। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि इस आंदोलन का मकसद चुनावी सुधार करना नहीं, बल्कि राजनीतिक अस्थिरता पैदा करना है। नबिन ने कहा कि शासन परिवर्तन' जैसे शब्दों के इस्तेमाल ने देश के सामने विपक्ष के असली एजेंडे को पूरी तरह उजागर कर दिया है। उन्होंने विदेशी समर्थन से भारत को अस्थिर करने की कथित कोशिश को "अर्बन नक्सलियों" के एजेंडे का हिस्सा बताया। उन्होंने आगे दावा किया कि विपक्ष की लड़ाई चुनावी सुधारों, एसआईआर या देश के युवाओं के भविष्य के लिए नहीं है, बल्कि इसका मकसद अराजकता फैलाना और किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल करना है। नबिन ने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता तक पहुंचने का रास्ता जनता के जनादेश से होकर गुजरता है, न कि अराजकता से।

उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी और देश की देशभक्त जनता, लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने देगी।

सड़क हादसे में 2 भाईयों की मौत

तेज रफ्तार वाहन ने मारी टक्कर, इलाके में मचा हड़कंप

अंबिकापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में सड़क हादसे रूकने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच सरगुजा में बाइक सवार दो भाइयों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरु कर दी है।



यह घटना उदयपुर थाना क्षेत्र में हुई है। गुरुवार देर रात दो सगे भाई धन्ना और मन्ना बाइक से दसई करमा देखने जा रहे थे। इसी दौरान साल्ही मोड़ के पास अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे दोनों भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने शव को सीएचसी उदयपुर पहुंचा। आज सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इधर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरु कर दी है।

स्कूल से घर लौट रही थी 13 साल की छात्रा को ट्रैक्टर ने रौंदा

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के विश्रामपुर थाना क्षेत्र में अनियंत्रित ट्रैक्टर ने मासूम छात्रा को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रैक्टर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना केशवनगर इलाके की है। मिली जानकारी के अनुसार, रिद्धिमा कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल बिश्रामपुर की छात्रा थी। वह अपने पिता के साथ स्कूल में आयोजित पैरेंट्स मीटिंग में शामिल होने के बाद घर लौट रही थी।

बस और ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर, 4 लोगों की मौत

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में बस और ट्रक की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य लोग घायल हो गए। यह हादसा कर्नाटक के हुंसूर के पास पेरियपट्टना में हुआ।

हादसे का शिकार हुई बस केरलम के कोझिकोड से बेंगलुरु आ रही थी। यह कावेरी स्लीपर बस थी। इसकी एक ट्रक से आमने-सामने की टक्कर हो गई।

पुलिस ने बताया कि इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मृतकों की पहचान आफताब, साजेश (36) और सुनील के तौर पर की गई है। ये लोग मनकावु के रहने वाले थे। एक अन्य मृतक की पहचान अभी होनी बाकी है। शवों को हुंसूर के एक अस्पताल में भेज दिया गया है।

एक्सीडेंट की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। एक्सीडेंट में बस और ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर इतना जोरदार थी कि आवाज दूर तक सुनाई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

कृति सैनन हॉरर फिल्म से मचाने आएंगी तहलका, मैडॉक फिल्म्स लगाएगा बड़ा दांव



मुंबई (एजेंसी)। कृति सैनन को जल्द ही एक हॉरर फिल्म में मुख्य किरदार निभाते हुए देखा जाएगा। खबर है कि इस परियोजना के निर्माण की जिम्मेदारी दिनेश विजान की प्रोडक्शन कंपनी मैडॉक फिल्म्स ने उठाई है। कृति पहले भी इस बैनर की फिल्मों का हिस्सा रही हैं। उन्हें भेडिया और कॉकटेल 2 जैसी तमाम फिल्मों में देखा जा चुका है। इस बार उन्हें पूरी तरह से हॉरर फिल्म में अभिनय करते देखा जाएगा। फिलहाल, फिल्म के प्री-प्रोडक्शन की तैयारियां चल रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कृति ने अपनी अगली फिल्म के तौर पर एक हॉरर फिल्म को फाइनल किया है, जिसका नाम तय होना अभी बाकी है।

एक सूत्र ने बताया कि कृति खुद इंटरव्यू में कह चुकी हैं कि उन्हें हॉरर फिल्में देखना पसंद नहीं हैं, लेकिन उन्होंने एक अभिनेत्री के तौर पर खुद को चुनौती देने के लिए इस शैली को आजमाने की प्रबल इच्छा जताई थी, और यह फिल्म बिल्कुल सही समय पर उनके सामने आई है। सूत्र ने आगे बताया कि यह परियोजना कृति को एक नए अवतार में प्रस्तुत करेगी, जिससे उन्हें अभिनय के नए क्षेत्र में कदम रखने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने बताया कि एक सशक्त महिला नायिका को कहानी के केंद्र में रखकर, यह फिल्म आने वाले साल की सबसे बहुप्रतीक्षित हॉरर फिल्मों में से एक बनने की पूरी संभावना रखती है। अग देखना दिलचस्प होगा कि निर्माताओं की ओर से परियोजना की आधिकारिक पुष्टि कब होगी।

कार्तिक आर्यन-श्रीलीला की फिल्म को मिली रिलीज तारीख



मुंबई (एजेंसी)। अनुराग बसु के निर्देशन में बन रही कार्तिक आर्यन और श्रीलीला की म्यूजिकल रोमांटिक-ड्रामा फिल्म पिछले साल से लोगों का ध्यान खींचती आ रही हैं। सोशल मीडिया पर शूटिंग के कुछ दृश्य भी वायरल हुए थे, जिन्होंने लोगों को फिल्म के प्रति उत्साहित कर दिया। अब इसी इंतजार को खत्म करने के लिए निर्माताओं ने आखिरकार बिना नाम वाली इस फिल्म की रिलीज तारीख का ऐलान कर दिया है। हालांकि, दर्शकों को थोड़ा लंबा इंतजार करना होगा। भूषण कुमार द्वारा निर्मित, कार्तिक और श्रीलीला की फिल्म 30 अप्रैल, 2027 को सिनेमाघरों का रुख करेगी।

टी-सीरीज ने तारीख का ऐलान करते हुए दोनों सितारों की एक तस्वीर साझा की है। साथ में कैप्शन दिया, एक नई कहानी जो आपके दिलों में हमेशा बसी रहेगी, बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है।

इस फिल्म के जरिए श्रीलीला बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रही हैं। वहीं, कार्तिक को इसमें एक इंटेंस और दाढ़ी वाले रॉकस्टार लुक में देखा जाएगा।

दृश्यम: द कव्क्लूजन पर 13वें दिन भी हुई धनवर्षा



मुंबई (एजेंसी)। अजय देवगन की फिल्म दृश्यमः द कन्क्लूजन ने बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बना रखी है। 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आई इस सस्पेंस एक्शन-थ्रिलर ने 13 दिन पूरे कर लिए और दुनियाभर में 500 करोड़ रुपये से ज्यादा कारोबार कर लिया है।

हालांकि, घरेलू स्तर पर यह अभी भी 350 करोड़ के क्लब में दाखिल होने से कुछ कदम दूर है। फिल्म की दैनिक कमाई में लगातार उठा-पटक का दौर जारी है। आइए देखें इसकी ताजा कमाई।

सैकनिल्क के मुताबिक, दृश्यमः द कन्क्लूजन ने रिलीज के 13वें दिन (बुधवार) 5.25 करोड़ रुपये कमाए हैं। फिल्म का यह आंकड़ा कारोबारी दिनों के लिहाज से ठीक है, लेकिन 12वें दिन (8.50 करोड़) के मुकाबले कम है।

घरेलू स्तर पर फिल्म अब तक नेट 328.75 करोड़ रुपये कमा सकी है।

विदेशों में, फिल्म ने 13वें दिन 1 करोड़ कमाए, जिससे कुल विदेशी कमाई 115 करोड़ रुपये हो गई है। वहीं, वैश्विक कुल कमाई 509 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

अभिषेक पाठक द्वारा निर्देशित दृश्यमः द कन्क्लूजन इस फ्रेंचाइजी की तीसरी और आखिरी कड़ी है, जिसमें जयदीप अहलावत और प्रकाश राज नए चेहरों के रूप में शामिल हुए।

यह मूल रूप से मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल की मूल फ्रेंचाइजी दृश्यम का हिंदी रूपांतरण हैं, लेकिन हिंदी में आई तीसरी कड़ी मलयालम दृश्यम 3 की कहानी से बिल्कुल अलग है।

फिल्म में तब्बू, श्रिया सरन, रजत कपूर, इशिता दत्ता और कमलेश सावंत ने भी अपने-अपने किरदारों में वापसी की है।

रजनीकांत की जेलर 2 में ऋतिक रोशन का कैमियो छाया, तीसरी कड़ी पर लगी मुहर



मुंबई (एजेंसी)। तमिल सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 सिनेमाघरों में आ गई है। पहले ही दिन अभिनेता ने अपने यादगार किरदार मुथुवेल पांडियन (उर्फ टाइगर) के रूप में दमदार वापसी की। उनके एक्शन, हाव-भाव और संवादों ने फिल्म को यादगार बना दिया। रिलीज से पहले चर्चा थी कि फिल्म में बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन कैमियो करते नजर आएंगे। तमाम चर्चाओं के बीच आखिरकार जेलर 2 में ऋतिक ने दमदार कैमियो किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गए। जेलर 2 में ऋतिक ने रॉडी नाम के एक शानदार और शालीन किरदार के साथ कैमियो किया, जिसकी झलकियां सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं।

फिल्म में वह कबूल करते हैं कि टाइगर (रजनीकांत) ने 20 साल पहले उसकी मदद की थी और इसलिए वह हमेशा उसका एहसानमंद रहेगा। दिलचस्प बात यह है कि ऋतिक अपने चश्मे को अपनी शर्ट के कॉलर के पीछे रखते हैं, जो तुरंत चुलबुल पांडे (दबंग में सलमान खान) की याद दिलाता है।

2023 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म जेलर का अंत ऐसे हुआ था कि निर्माता दूसरी कड़ी लेकर नहीं आएंगे। हालांकि, अब जेलर 2 में स्पष्ट रूप से तीसरी कड़ी की पुष्टि की गई है।

फिल्म के आखिरी दृश्य में विजय सेतुपति नजर आते हैं, जिसे दर्शक एक बार फिर पसंद करेंगे। फिल्म अंत में वादा करती है कि रजनीकांत का किरदार तीसरी कड़ी के साथ वापसी करेगा।

बता दें, फिल्म में विद्या बालन, मिथुन चक्रवर्ती और शिव राजकुमार भी मौजूद हैं।

सेहत

ऑयल पुलिंग से जुड़े इन 5 भ्रमों को सच मानते हैं लोग, जानिए इनकी सच्चाई



ऑयल पुलिंग एक पुरानी आयुर्वेदिक विधि है, जिसमें मुंह में तेल को कुछ समय तक घुमाया जाता है। इससे शरीर से हानिकारक तत्व बाहर निकलते हैं और कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। हालांकि, इसके असर को लेकर कई गलतफहमियां प्रचलित हैं। आइए आज हम आपको ऑयल पुलिंग से जुड़े भ्रम और उनकी सच्चाई बताते हैं ताकि आप सही जानकारी के साथ इसका उपयोग कर सकें और इसके असली लाभ पा सकें।

भ्रम- ऑयल पुलिंग दांतों की सफाई का सबसे अच्छा तरीका है

कई लोग सोचते हैं कि ऑयल पुलिंग दांतों की सफाई का सबसे अच्छा तरीका है, लेकिन यह पूरी तरह से सही नहीं है।

ऑयल पुलिंग दांतों की सफाई में मदद कर सकता है, लेकिन इसे ब्रश और फ्लॉसिंग का विकल्प नहीं माना जा सकता। दांतों की अच्छी सफाई के लिए ब्रश और पेस्ट का उपयोग जरूरी है। इससे प्लाक हटता है और कैविटी का खतरा कम होता है।

भ्रम- ऑयल पुलिंग से सभी बीमारियां ठीक हो जाती हैं

ऑयल पुलिंग से जुड़ी एक गलतफहमी यह भी है कि यह हर तरह की बीमारी का इलाज कर सकता है। हालांकि, सच्चाई यह है कि ऑयल पुलिंग कई स्वास्थ्य लाभ दे सकता है, लेकिन यह हर बीमारी का इलाज नहीं कर सकता, खासकर गंभीर बीमारियों के लिए डॉक्टर की सलाह और इलाज जरूरी होता है। इसलिए इसे सिर्फ एक सहायक उपाय माना जाना चाहिए, न कि हर समस्या का समाधान।

भ्रम- सुबह खाली पेट ऑयल पुलिंग करना जरूरी है

यह भी एक आम धारणा है कि सुबह खाली पेट ही ऑयल पुलिंग करना सबसे अच्छा होता है।

हालांकि, इसका सही समय व्यक्ति की दिनचर्या पर निर्भर करता है। अगर आप सुबह के समय इसे करने में असहज महसूस करते हैं तो किसी भी समय कर सकते हैं। महत्वपूर्ण यह है कि आप इसे नियमित रूप से करें और सही तरीके से करें ताकि इसके सभी लाभ प्राप्त कर सकें।

भ्रम- ऑयल पुलिंग से वजन घटाने में मदद मिलती है

कई लोग मानते हैं कि ऑयल पुलिंग से वजन घटाने में मदद मिलती है, जबकि इसका सीधा संबंध वजन घटाने से नहीं होता।

हालांकि, यह पाचन तंत्र को सुधार सकता है और शरीर की ऊर्जा को बढ़ावा दे सकता है, जिससे वजन प्रबंधन में थोड़ी मदद मिल सकती है, लेकिन इसे मुख्य उपाय नहीं माना जा सकता। संतुलित आहार और नियमित एक्सरसाइज से ही वजन घटाने में असली सफलता मिलती है।

भ्रम- ऑयल पुलिंग हर किसी के लिए सुरक्षित होता है

ऑयल पुलिंग आमतौर पर सुरक्षित माना जाता है, लेकिन यह हर व्यक्ति के लिए उपयुक्त नहीं हो सकता, खासकर छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं को इससे बचना चाहिए क्योंकि इनके लिए पहले डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

इन भ्रमों को समझकर आप सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और ऑयल पुलिंग का सही तरीके से उपयोग कर सकते हैं। इससे आपको इसके असली फायदों का पूरा लाभ मिलेगा। **(एजेंसी)।**

बार-बार बीमार पड़ने के हो सकते हैं कई कारण

कई लोग लगातार अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देते हैं लेकिन फिर भी बीमार पड़ते रहते हैं। बार-बार बीमार पडऩे का कारण एक नहीं कई हैं। आज हम आपको अपनी कुछ ऐसी आदतें बताने जा रहे हैं, जिन्हें छोड़कर आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं और स्वस्थ बन सकते हैं।

पानी का सही संतुलन बनाए रखें

पानी पीना सेहत के लिए अच्छा होता है, लेकिन ज्यादा पानी पीने से कई गंभीर बीमारियां भी शुरू हो सकती हैं। इसलिए हमेशा शरीर की जरूरत के हिसाब से ही पानी पिएं।

नींद का ख्याल रखें

आज की व्यस्त दिनचर्या में लोग पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं या सोने का पैटर्न तय नहीं है, ये दोनों चीजें ही बीमारियों की जड़ हैं। कई बार सही समय पर पर्याप्त नींद लेने से हमारी कई समस्याएं अपने आप दूर हो जाती हैं।

शराब से दूर रहें

अगर आप लंबे समय तक स्वस्थ जीवन जीना चाहते हैं तो शराब या शराब से कुछ दूरी बनाकर रखें। यह सीधे तौर पर हमारे इम्युनिटी सिस्टम को खराब करता है, जिससे हमारी सेहत कभी भी बिगड़ सकती है।

हाथ साफ रखें

घरों में बड़े-बुजुर्ग हमेशा हाथ धोते रहने की सलाह देते हैं। हमारे हाथों में कई तरह के बैक्टीरिया आ सकते हैं, जो हमारे खाने के साथ पेट में जाकर हमारी सेहत को खराब कर सकते हैं। इसलिए हाथ साफ रखें, धोते रहें, बैक्टीरिया से बचें और बीमारियों से दूर रहें।

ज्यादा खाने से बचें

अगर आपकी मनपसंद चीज आपके सामने आ जाए तो उसे जरूरत से ज्यादा खाने से बचें। कई बार मूवी देखते हुए भी स्नैक्स या खाना ज्यादा खा लिया जाता है। ज्यादा खाने से हमेशा पेट के रोग बढ़ जाते हैं। इससे पाचन क्रिया में परेशानी होती है और कई तरह के रोग बढ़ जाते हैं।

रोजाना की ये 5 आदतें आपके मुंह के स्वास्थ्य के लिए है लाभदायक

अच्छी मौखिक सफाई न केवल आपके दांतों को स्वस्थ रखने में मदद करती है, बल्कि आपके समग्र स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाती है। कई लोग रोजाना ब्रश और फ्लॉस करने के बाद भी मुंह की समस्याओं का सामना करते हैं। इसका मुख्य कारण है कि वे कुछ जरूरी आदतों का पालन नहीं करते। आइए आज हम आपको 5 ऐसी आदतें बताते हैं, जिनका पालन करके आप अपने मुंह के स्वास्थ्य को स्वस्थ रख सकते हैं।

नियमित रूप से ब्रश करें

हर दिन 2 बार ब्रश करना बहुत जरूरी है। सुबह और रात को सोने से पहले ब्रश करना आपके दांतों को गंदगी और कीड़े लगने से बचाने में मदद कर सकता है।

इसके लिए फ्लोराइड वाला टूथपेस्ट इस्तेमाल करें और हल्के हाथों से 2 मिनट तक ब्रश करें।

इसके बाद आपको पानी से कुल्ला नहीं करना चाहिए, बल्कि मुंह को ऐसे ही छोड़ देना चाहिए ताकि फ्लोराइड आपके दांतों पर लगा रहे।

रोजाना फ्लॉस करना है जरूरी

ब्रश करने के बाद फ्लॉस करना भी उतना ही जरूरी है जितना कि ब्रश करना। फ्लॉसिंग से दांतों के बीच की गंदगी साफ हो जाती है, जिससे कीड़े लगने और मसूड़ों की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

अगर फ्लॉसिंग करते समय आपको परेशानी होती है तो एक बार दांतों की सफाई करवाएं। इससे आपको सही तरीके से फ्लॉसिंग करना आ जाएगा।

इसके बाद आप घर पर खुद भी आसानी से फ्लॉसिंग कर पाएंगे।

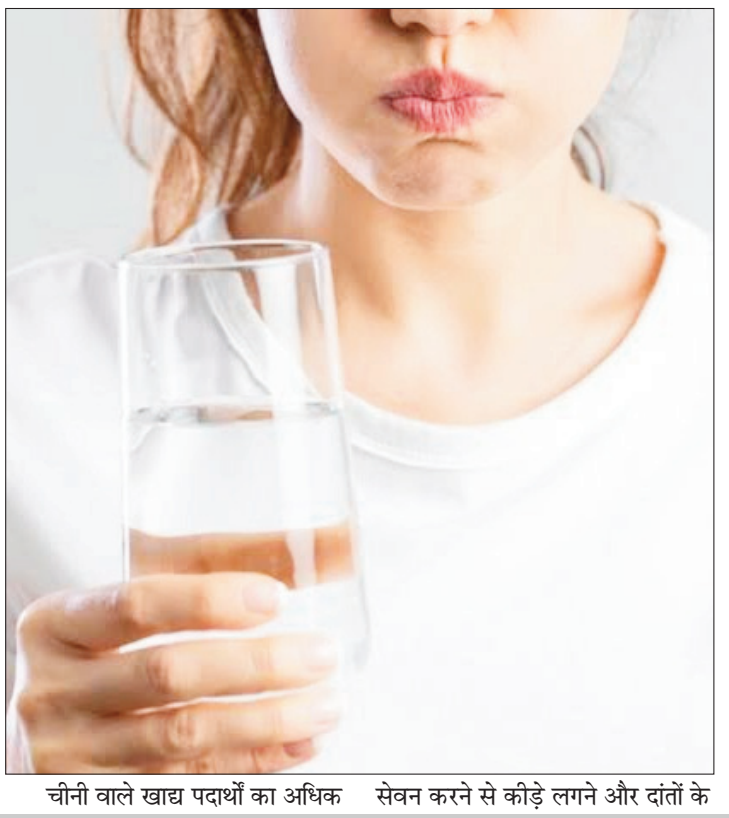
मुंह को कुल्ला करें

दांतों को ब्रश और फ्लॉस करने के बाद मुंह को कुल्ला करना जरूरी है। इसके लिए आप अपने मुंह की सफाई के लिए पानी या फिर माउथवॉश का इस्तेमाल कर सकते हैं।

माउथवॉश से कुल्ला करने से आपके मुंह की ताजगी बनी रहती है और बैक्टीरिया खत्म होते हैं।

इसके अलावा आप चाहें तो मुंह की सफाई के लिए नमक वाले पानी से भी कुल्ला कर सकते हैं। यह आपके स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है।

चीनी के सेवन से बचें



चीनी वाले खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन करने से कीड़े लगने और दांतों के टूटने की संभावना बढ़ जाती है।

इसलिए बेहतर होगा कि आप चीनी वाली चीजों का सेवन करने से बचें और उनकी जगह फल, सब्जियां और दूध से बने उत्पादों को अपनी खाने की आदत में शामिल करें। इससे न केवल आपको चीनी की कमी महसूस होगी, बल्कि आपके दांत भी स्वस्थ रहेंगे।

इसके अलावा पानी का सेवन भी बढ़ाएं, जिससे आपके दांतों की सफाई बनी रहेगी।

पीले दांतों से परेशान हैं तो इन 3 चीजों का करें सेवन

अगर आप पीले दांतों से परेशान हैं तो टमाटर, स्ट्रॉबेरी और अनानास का सेवन करें। इन फलों में मौजूद एसिड दांतों की पीली परत को हटाने में मदद करते हैं।

इसके अलावा रोजाना एक गिलास दूध का सेवन जरूर करें। इसमें मौजूद कैल्शियम आपके दांतों के लिए फायदेमंद होता है।

इन आदतों को अपनाकर आप अपने मुंह के स्वास्थ्य को स्वस्थ रख सकते हैं और कई समस्याओं से बच सकते हैं। **(एजेंसी)।**

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

शनिवार 17 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

सीएम हेल्पलाइन में लापरवाही, पिपरिया तहसीलदार निलंबित

कबीरधाम। सीएम हेल्पलाइन 1076 में दर्ज राजस्व संबंधी शिकायतों के निराकरण में गंभीर लापरवाही बरतने के मामले में राज्य शासन ने कबीरधाम जिले के पिपरिया तहसीलदार प्रमोद कुमार चंद्रवंशी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने शुक्रवार को निलंबन आदेश जारी किया।

मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर से 16 अक्टूबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार, सीएम हेल्पलाइन 1076 में दर्ज राजस्व विभाग से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा के दौरान तहसीलदार पिपरिया प्रमोद कुमार चंद्रवंशी के कार्यों में गंभीर लापरवाही सामने आई। शासन ने इसे छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 का उल्लंघन माना है।

इसके आधार पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9 (1) (क) के तहत निलंबन की कार्रवाई की गई है। आदेश पर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अवर सचिव धनंजय नेताम के डिजिटल हस्ताक्षर हैं।

जारी आदेश के मुताबिक, निलंबन अवधि के दौरान प्रमोद कुमार चंद्रवंशी का मुख्यालय जिला कबीरधाम निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। आदेश की प्रतिलिपि राजस्व मंत्री के विशेष सहायक, राजस्व विभाग के सचिव, दुर्ग संभाग के आयुक्त और कबीरधाम कलेक्टर को भी भेजी गई है।

इस कार्रवाई से राजस्व विभाग के अधिकारियों के लिए शिकायतों के समयबद्ध निराकरण को लेकर स्पष्ट प्रशासनिक संदेश गया है। सीएम हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों की शिकायतों को शासन तक पहुंचाने का माध्यम है।

ऐसे में शिकायतों के निराकरण में जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। पिपरिया तहसीलदार के निलंबन से स्पष्ट है कि शिकायतों की समीक्षा के दौरान सामने आई गंभीर लापरवाही पर शासन ने विभागीय कार्रवाई की है।

सीएम हेल्पलाइन पर अब तक 2.31 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज, 2.05 लाख से अधिक का हुआ निराकरण

आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रही सीएम हेल्पलाइन 1076 : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध, संवेदनशील और प्रभावी समाधान सुशासन की पहली कसौटी है। इसी उद्देश्य से शुरू की गई सीएम हेल्पलाइन 1076 कम समय में ही प्रदेशवासियों के लिए भरोसे का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरी है। राशन, पेंशन, बिजली, आवास, पेयजल और अन्य नागरिक सेवाओं से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए अब लोगों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। नागरिक घर बैठे 1076 पर अपनी शिकायत दर्ज करा रहे हैं और उनके निराकरण की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आज नवा रायपुर स्थित सीबीडी बिल्डिंग में संचालित सीएम हेल्पलाइन 1076 के कार्यालय पहुंचकर इसके कामकाज की उच्चस्तरीय समीक्षा के दौरान यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों, उनके निराकरण, शिकायतकर्ताओं से लिए जा रहे फीडबैक तथा विभागवार और जिलेवार प्रदर्शन की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिला कलेक्टरों से जिलों में शिकायतों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान विभिन्न जिलों के शिकायतकर्ताओं से स्वयं बातचीत कर जाना कि सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराने के



बाद उनकी समस्या का समाधान हुआ या नहीं। नागरिकों ने मुख्यमंत्री से सीधे संवाद में अपने अनुभव साझा किए और शिकायतों के निराकरण पर संतुष्टि व्यक्त की।

समीक्षा बैठक में बताया गया कि 9 जून से 15 अक्टूबर 2026 तक सीएम हेल्पलाइन 1076 पर कुल 2 लाख 31 हजार 850 शिकायतें दर्ज की गई हैं। इनमें से 2 लाख 5 हजार 996 शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। शेष 25 हजार 854 शिकायतों पर कार्रवाई की जा रही है। इस प्रकार अब तक प्राप्त कुल शिकायतों में से 88.85 प्रतिशत का निराकरण किया जा चुका है। हेल्पलाइन पर प्रतिदिन औसतन 1500 से 2000 शिकायतें प्राप्त हो रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने हेल्पलाइन के शुरुआती परिणामों को उत्साहजनक बताते हुए कहा कि इतनी बड़ी संख्या में शिकायतों का निराकरण अधिकारियों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। पिछली समीक्षा में दिए गए निर्देशों पर भी अच्छा कार्य हुआ है। इस व्यवस्था को निरंतर बेहतर बनाते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि शिकायतों का निराकरण केवल आंकड़ों तक सीमित न रहे, बल्कि नागरिक को वास्तविक रूप से राहत मिले और वह समाधान से संतुष्ट हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निराकरण सबसे महत्वपूर्ण है। शिकायत बंद करने से पहले यह सुनिश्चित किया जाए कि संबंधित नागरिक की समस्या वास्तव में दूर हुई है। नागरिकों से मिलने वाला फीडबैक ही इस व्यवस्था की वास्तविक सफलता का आधार होना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समीक्षा के दौरान गरियाबंद जिले के मैनपुर क्षेत्र के शिकायतकर्ता श्री दमन साहू से सीधे बातचीत की। श्री साहू ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनके गांव का ट्रांसफॉर्मर खराब होने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी। इससे गांव के लगभग 80 से 85 परिवार प्रभावित थे। स्थानीय स्तर पर समस्या का समाधान नहीं होने पर उन्होंने सीएम हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत दर्ज होने के लगभग एक सप्ताह के भीतर नया ट्रांसफॉर्मर लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई। श्री साहू ने मुख्यमंत्री को बताया कि अब गांव में बिजली व्यवस्था सामान्य है और ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने त्वरित समाधान के लिए मुख्यमंत्री और शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

सीएम हेल्पलाइन में बाबू की शिकायत : जनपद अध्यक्ष ने लगाया कार्य में लापरवाही का आरोप

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रशासनिक व्यवस्था में अक्सर अधिकारियों / कर्मचारियों या शासकीय दफ्तरों में पदस्थ बाबुओं के विरुद्ध आम नागरिकों की शिकायतें देखने सुनने में आती है, किन्तु प्रजातांत्रिक व्यवस्था अनुसार उच्च पद पर आसीन निर्वाचित जनप्रतिनिधि को भी आम नागरिकों की तरह शिकवा-शिकायत करनी पड़े,तब प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवालिया निशान के साथ-साथ सत्तारूढ़ सरकार के सुशासन के दावों पर भी प्रश्नचिन्ह अंकित होता है।

एक ऐसे दौर में जब प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार के दावे है, सेवा-सुशासन का भी खूब प्रचार है, तब कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ एक बाबू पर कार्य में लापरवाही और मनमानी का आरोप और कोई नहीं बल्कि जनपद पंचायत के निर्वाचित अध्यक्ष लगा रहे हैं। मामला जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत मंदिरों के जीर्णोद्धार से संबंधित है। मिली जानकारी के अनुसार गरियाबंद ब्लॉक के लगभग 13 गांवों में मंदिरों का जीर्णोद्धार किया जाना है, जिसके लिये कार्यालय जनपद पंचायत गरियाबंद द्वारा कलेक्टर को पत्र जारी कर मंदिरों के जीर्णोद्धार संबंधी प्रस्ताव, संभवतः जुलाई माह के दूसरे सप्ताह के प्रारम्भ में ही प्रेषित किया गया था।

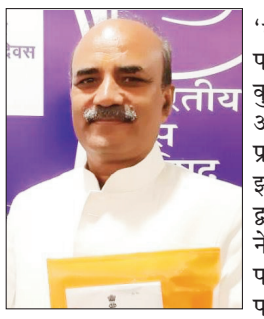
प्रस्ताव का नियमानुसार परीक्षण कराकर कार्यपालन अभियंता द्वारा हस्ताक्षरित, मय कार्य स्थल का नक्शा, खसरा, ग्राम पंचायत प्रस्ताव, फो टो ग्रा फ स , त क नी की स्वीकृति,प्राक्कलन एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज के साथ संलग्न कर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया था। किन्तु मामला लगभग 4 माह तक लंबित रहा है।

जनपद पंचायत गरियाबंद के अध्यक्ष सोहन ध्रुव ने इस मामले में कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड 2 विवेक टेमरे पर कार्य में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुये सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड 2 विवेक टेमरे द्वारा,मंदिर जीर्णोद्धार का प्रस्ताव 4 माह तक लंबित रखा जाना उल्लेखित है।

जनपद पंचायत अध्यक्ष सोहन ध्रुव ने आरोप लगाया कि संबंधित कर्मचारी लंबे समय से कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ हैं और अब उनके कामकाज को लेकर समस्या सामने आ रही है। उनका कहना है कि उक्त कर्मचारी द्वारा दस्तावेज लंबे समय तक लंबित रखने के बाद उनमें कमियां निकालकर वापस भेज दिया जाता है, जिससे विकास कार्यों की प्रक्रिया प्रभावित होती है।

वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप कुमार जैन पीसीआई के सदस्य मनोनीत

रायपुर ■ दैनन्दिनी



पत्रकारिता में पद मिलना उपलब्धि हो सकती है, लेकिन वर्षों तक विश्वास अर्जित करना और उसे बनाए रखना ही किसी पत्रकार की वास्तविक पूंजी है। श्री प्रदीप कुमार जैन की पत्रकारिता यात्रा इसी विश्वास, संस्कार और निरंतर कर्मशीलता की कहानी है। राष्ट्रीय स्तर पर राजा श्रेयांस पत्रकारिता पुरस्कार, से सम्मानित श्री जैन का प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया में पुनः सदस्य मनोनयन उनकी दीर्घ पत्रकारिता साधना और सामाजिक सरोकारों की राष्ट्रीय स्वीकृति है। 7 अक्टूबर 2026 की केंद्र सरकार की अधिसूचना के माध्यम से उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है।

यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है कि जिस 'दैनिक विश्व परिवार' की पत्रकारिता परंपरा से श्री प्रदीप कुमार जैन जुड़े हैं, वह स्वयं अब अपनी यात्रा के स्वर्णिम वर्ष में प्रवेश कर चुका है। वर्ष 1976 में झांसी से स्वर्गीय श्री कैलाशचंद जी द्वारा स्थापित 'दैनिक विश्व परिवार' ने पांच दशकों की यात्रा में पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। आज यह समाचार-पत्र झांसी और रायपुर दोनों स्थानों व दो राज्यों से प्रकाशित हो रहा है। स्वर्णिम वर्ष के अवसर पर परिवार की इस गौरवपूर्ण पत्रकारिता परंपरा के प्रतिनिधि श्री प्रदीप कुमार जैन का राष्ट्रीय पत्रकारिता के सर्वोच्च संस्थागत मंचों में से एक प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया में पुनः दायित्व प्राप्त करना निश्चित ही एक विशेष और गौरवपूर्ण संयोग है।

शासकीय प्राथमिक शाला गुनापुर में कन्या भोजन का आयोजन



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। नवरात्रि का पर्व शक्ति उपासना और मातृशक्ति के सम्मान का प्रतीक है। इसी अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला गुनापुर (संकुल केन्द्र ढोलगी) में शाला परिवार की ओर से कन्या भोज का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधान पाठक रघुनाथ राठौर ने अपने संबोधन में कहा कि कन्याएँ साक्षात देवी स्वरूप होती हैं। समाज में उनका सम्मान और पूजन करना हमारी संस्कृति और परम्परा का अभिन्न अंग है।

उन्होंने इस प्रकार के आयोजन को बच्चों में धार्मिक व सांस्कृतिक मूल्यों की सीख देने वाला बताया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्राओं द्वारा सुंदर झांकी भी निकाला गया।जो देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर प्रधान पाठक रघुनाथ राठौर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती भगवती राठौर पुत्र यशसिंह पुत्री युशीसिह राठौर, सहायक शिक्षक लक्ष्मण कोलाम, श्रीमती कुमारी साहू, श्रीमती पूना बाई, कोलम यादव आदि ने आयोजन में सहयोग प्रदान किया।

सरस्वती शिशु वाटिका में पंचमी के पावन अवसर पर कन्या पूजन

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। नवरात्रि पर्व की पंचमी तिथि के पावन अवसर पर सरस्वती शिशु वाटिका में विद्यालय में अध्ययनरत नन्हीं बालिका बहनों का कन्या पूजन कार्यक्रम श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में माताओं, जनप्रतिनिधियों एवं विद्यालय समिति के सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर विद्यालय की छोटी-छोटी बालिकाओं का विधिवत कन्या पूजन कर उन्हें उपहार स्वरूप भेंट प्रदान की गई तथा सभी बालिकाओं एवं उपस्थित बच्चों को खिचड़ी का भोजन कराया गया।

इस आयोजन में 210 बालिका बहनों, 190 भाइयों एवं 50 माताओं की सहभागिता रही। नवरात्रि के पावन पर्व पर आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं एवं बालिकाओं के प्रति सम्मान की भावना को अभिव्यक्त किया गया।



विद्यालय परिसर में उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच कार्यक्रम संपन्न हुआ। उपस्थित नगर पालिका जनप्रतिनिधियों एवं विद्यालय समिति के सदस्यों ने इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजनों को बच्चों में संस्कार, श्रद्धा एवं भारतीय परंपराओं के प्रति जागरूकता विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

आईआईएम रायपुर में पंजीयन विभाग की दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न, प्रशासनिक सुधारों को मिलेगी राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय पहचान

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में सुशासन, पारदर्शिता और नागरिक-केंद्रित प्रशासन की दिशा में किए जा रहे नवाचारों को अब राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक पहचान दिलाने की पहल की जा रही है। इसी उद्देश्य से नवा रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर में पंजीयन एवं स्टाम्प विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए आयोजित दो दिवसीय 'वर्कशॉप ऑन केस राइटिंग एंड कोलैबोरेटिव पब्लिकेशन' 15 अक्टूबर को संपन्न हुई। 14 एवं 15 अक्टूबर को आयोजित इस कार्यशाला में विभागीय सुधारों, महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णयों, उनके क्रियान्वयन में आई चुनौतियों तथा अधिकारियों द्वारा विकसित व्यावहारिक समाधानों को केस स्टडी के रूप में तैयार कर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित कराने की प्रक्रिया पर प्रशिक्षण दिया गया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं वित्त एवं पंजीयन मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ पंजीयन विभाग द्वारा विगत तीन वर्षों में अनेक महत्वपूर्ण प्रशासनिक सुधार एवं जनहितकारी पहल की गई हैं। महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक श्री पुष्पेंद्र मीणा के नेतृत्व में विभाग द्वारा पंजीयन सेवाओं को अधिक सरल, पारदर्शी, तकनीक आधारित और नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाने की दिशा में



निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इन सुधारों के क्रियान्वयन से प्राप्त अनुभवों को अब व्यवस्थित रूप से दस्तावेजीकृत कर शोध, अध्ययन और प्रशासनिक प्रशिक्षण का हिस्सा बनाने की पहल की गई है।

छत्तीसगढ़ के प्रशासनिक नवाचारों से सीख सकेंगे देश-दुनिया के नीति-निर्माता

कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य पंजीयन विभाग में हुए सुधारों को केवल प्रशासनिक उपलब्धियों तक सीमित न रखकर उन्हें अध्ययन और शोध के उपयोगी उदाहरणों के रूप में विकसित करना है। विभागीय सुधारों को लागू करते समय अधिकारियों के सामने अनेक व्यावहारिक चुनौतियां आईं, जिनका समाधान स्थानीय परिस्थितियों, प्रशासनिक अनुभवों और नवाचारों के माध्यम से किया गया। इन अनुभवों को केस स्टडी के रूप में प्रस्तुत करने से देश-दुनिया के शिक्षाविदों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों, प्रशासकों और नीति-निर्माताओं को छत्तीसगढ़ की प्रशासनिक कार्यप्रणाली से सीखने का अवसर मिलेगा।

यह पहल प्रशासनिक सुधारों के अनुभवों को संस्थागत ज्ञान में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे सफल कार्यप्रणालियों, निर्णय लेने की प्रक्रियाओं और समस्याओं के व्यावहारिक समाधान को अन्य विभागों एवं संस्थानों के साथ साझा करने का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

दो दिनों तक केस स्टडी लेखन, शोध और प्रकाशन की बारीकियों पर प्रशिक्षण

कार्यशाला के प्रथम दिन विशेषज्ञों ने केस स्टडी लेखन की आवश्यकता, उसकी संरचना, उपयुक्त विषयों के चयन, समस्याओं की पहचान तथा प्रशासनिक अनुभवों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की तकनीकों पर विस्तार से जानकारी दी। प्रतिभागियों को बताया गया कि विभागीय कामकाज के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय, उनके पीछे की परिस्थितियां, क्रियान्वयन में आई कठिनाइयां और उनके समाधान किस प्रकार एक उपयोगी एवं प्रभावशाली केस स्टडी का आधार बन सकते हैं।

दूसरे दिन केस स्टडी तैयार करने की व्यावहारिक प्रक्रिया पर विशेष जोर दिया गया। इसमें आवश्यक सूचनाओं का संकलन, तथ्यों का सत्यापन, संबंधित व्यक्तियों के साक्षात्कार, केस की रूपरेखा तैयार करने और विश्लेषणात्मक लेखन की विधियों पर प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही टीचिंग नोट तैयार करने, उपयुक्त अकादमिक जर्नल एवं प्रकाशन मंच के चयन, समीक्षा तथा प्रकाशन की प्रक्रिया के संबंध में भी विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन प्रदान किया।

आईआईएम रायपुर के विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

कार्यशाला में पंजीयन विभाग के डीआईजी श्री मदन लाल कोर्पे एवं डीआईजी श्रीमती उषा साहू सहित विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। आईआईएम रायपुर के डायरेक्टर-इन-चार्ज प्रो. संजीव पाराशर, कार्यक्रम निदेशक प्रो. प्रणित कुमार रॉय, प्रो. सत्यसिबा दास, प्रो. मनोजीत चट्टोपाध्याय, प्रो. अर्चना पाराशर तथा प्रो. आर.के. जना सहित अन्य विशेषज्ञों ने विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों में प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।

सेवा की कहानी: हाउसिंग बोर्ड ने साकार किया स्मिता श्रीवास्तव के अपने घर का सपना

रायपुर ■ दैनन्दिनी

हर मध्यमवर्गीय परिवार का सपना होता है कि उसका अपना एक सुंदर, सुरक्षित और सुविधायुक्त घर हो, जहां वह अपने परिवार के साथ बिना किसी चिंता के सुकून भरा जीवन बिता सके। किराए के मकान में रहने वाले परिवारों के लिए यह सपना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि हर महीने किराए का खर्च और स्थायी आवास की चिंता उनके जीवन का हिस्सा बनी रहती है। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की आवासीय परियोजनाएं ऐसे ही परिवारों के अपने घर के सपने को साकार करने का माध्यम बन रही हैं। राजधानी रायपुर के कबीर नगर स्थित हाउसिंग बोर्ड आवासीय परिसर में रहने वाली श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव की कहानी भी इसी बदलाव, खुशी और संतुष्टि का उदाहरण है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा आम नागरिकों, विशेषकर मध्यमवर्गीय परिवारों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी.



चौधरी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा गुणवत्तापूर्ण निर्माण, सुव्यवस्थित आवासीय परियोजनाओं और नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप सुविधाओं के विकास पर जोर दिया जा रहा है। इन प्रयासों का उद्देश्य अधिक से अधिक परिवारों को उनकी आर्थिक क्षमता के अनुरूप बेहतर आवासीय विकल्प उपलब्ध कराना है। कबीर नगर स्थित हाउसिंग बोर्ड आवासीय परिसर की निवासी श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव बताती हैं कि पहले वे किराए के मकान में रहती थीं। हर महीने किराया चुकाने के साथ अपने स्थायी घर की चिंता भी बनी रहती थी। उनकी इच्छा थी कि परिवार के बजट में ऐसा घर मिले, जहां निर्माण की गुणवत्ता अच्छी हो और दैनिक जीवन की सभी जरूरी सुविधाएं भी आसानी से उपलब्ध हों।

श्रीमती स्मिता कहती हैं, "पहले मैं किराए के मकान में रहती थी। हर महीने किराया देना और अपने घर की चिंता करना मेरे लिए एक बड़ी परेशानी थी। लेकिन आज हाउसिंग बोर्ड की वजह से मेरा अपने घर का सपना पूरा हो गया है।"

उनके लिए किराए के मकान से निकलकर अपने घर में रहना जीवन की बड़ी उपलब्धि है। अब उन्हें हर महीने मकान मालिक को किराया देने की चिंता नहीं रहती। अपने घर में परिवार के साथ रहने से उन्हें स्थायित्व, सुरक्षा और आत्मसंतुष्टि का अनुभव हो रहा है। श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव के अनुसार कबीर नगर स्थित हाउसिंग बोर्ड आवासीय परिसर की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सुविधाजनक लोकेशन है। आसपास अस्पताल, बच्चों के लिए स्कूल और दैनिक जरूरतों के लिए बाजार उपलब्ध होने से परिवार को काफी सुविधा मिलती है।

:- संपादकीय :-

सपा भी खेल में शामिल

वैसे उत्तर प्रदेश के मुसलमानो के मन में कोई भ्रम नहीं है। वे अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के साथ हैं क्योंकि उनको लग रहा है कि सपा ही इस बार भाजपा से लड? वाली मुख्य ताकत है। पिछले लोकसभा चुनाव मे उन्होंने देखा कि भाजपा के समर्थक मतदाताओं में भी अगर भाजपा से नाराजगी होती है तो वे भाजपा को हराने के लिए सपा के साथ जाते हैं। संविधान और आरक्षण पर खतरे से जो वर्ग नाराज हुआ वह भाजपा को हराने के लिए सपा के साथ गया और तभी लोकसभा में सपा 37 सीट जीत कर उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बनी। उसके साथ तालमेल का फायदा कांग्रेस को भी हुआ।सो, मुस्लिम मतदाताओं के मन में कोई भ्रम नहीं है। फिर भी कांग्रेस के नेता इस कोशिश में लगे हैं कि किसी तरह से समाजवादी पार्टी के मन में यह आशंका पैदा की जाए कि मुस्लिम कांग्रेस के साथ जा सकता है। इसका मकसद दबाव बना कर विधानसभा की ज्यादा सीटें हासिल करना है। हालांकि सपा को हकीकत पता है। जब लोकसभा चुनाव में मुस्लिम उसके साथ आया तो विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ क्यों जाएगा। इसके बावजूद सपा भी इस खेल में शामिल है। सपा ने पिछले दिनों कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के दामाद को अपनी पार्टी में शामिल कराया। इसके जवाब में कांग्रेस ने बसपा और एमआईएम के कई मुस्लिम नेताओं को पार्टी में शामिल कराया है। एमआईएम के मुखर नेता आसिम वकार पिछले दिनों कांग्रेस में शामिल हुए। अब बसपा सरकार में मंत्री रहे इजहारुल हक और 2024 में बसपा की टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़े नईम अहमद को पार्टी में शामिल कराया। इससे पहले पूर्व सांसद आमिर आलम खान और उनके बेटे नवाजिश आलम खान भी कांग्रेस में शामिल हुए। नवाजिश पहले विधायक रह चुके हैं। दोनों पिता पुत्र कई पार्टियों में रहे हैं। आमिर आलम रालोद से कैराना के सांसद रहे हैं।

छात्रः सपनों की उड़ान से सृजन की पहचान तक

ललित गर्ग ।

डॉ. कलाम का विद्यार्थी-दर्शन हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र निर्माण किसी एक नेता, सरकार या वैज्ञानिक का अकेला अभियान नहीं, बल्कि करोड़ों जाग्रत मस्तिष्कों की सामूहिक साधना है। आज के विद्यार्थी के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल प्रतियोगिता में आगे निकलना नहीं, बल्कि अपनी सफलता को सार्थक बनाना है। उसे यह तय करना होगा कि उसकी प्रतिभा समाज को जोड़ने में लगेगी या तोड़ने में, उसकी बुद्धि समाधान खोजेगी या संकट बढ़ाएगी और उसका साहस निर्माण का इतिहास लिखेगा या विनाश की कहानी।यहां जैन दर्शन की अहिंसा, अनेकांत और आत्मानुशासन की शिक्षाएं विशेष प्रासंगिक हो जाती हैं। जैन परंपरा में अहिंसा का अर्थ केवल शारीरिक हिंसा से बचना नहीं, बल्कि विचार, वाणी और व्यवहार में भी संयम रखना है। अनेकांतवाद सिखाता है कि सत्य को समझने के लिए दूसरे पक्ष को सुनना और अपने विचारों की सीमाओं को स्वीकार करना आवश्यक है। यदि इन मूल्यों को छात्र जीवन में व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, तो मतभेद शत्रुता में नहीं बदलेंगे और विरोध संवाद का माध्यम बनेगा। विद्यार्थी यह समझ सकेंगे कि साहस का अर्थ किसी को पराजित करना नहीं, बल्कि अपने क्रोध, आवेग और अहंकार पर विजय पाना है। विश्व छात्र दिवस पर डॉ. कलाम को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब हम शिक्षा को परीक्षा-केंद्रित संकीर्णता से निकालकर जीवन निर्माण का माध्यम बनाएंगे।



डॉ. कलाम का मिशन केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं था। उनका व्यापक स्वप्न भारत को विकसित, आत्मनिर्भर, ज्ञान-संपन्न और नैतिक रूप से सशक्त राष्ट्र बनाना था। उन्होंने युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, आत्मविश्वास और राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने का प्रयास किया।किसी राष्ट्र का भविष्य उसकी संसदों में पारित कानूनों से कम और उसके शिक्षण संस्थानों में गढ़े जा रहे विद्यार्थियों के चरित्र से अधिक निर्धारित होता है। छात्र केवल किसी देश की युवा आबादी नहीं, बल्कि उसकी संभावनाओं, विचारों, मूल्यों और विकास की जीवंत पूंजी होते हैं। उनकी आंखों में पलते सपने राष्ट्र की तकदीर लिखते हैं और उनके हाथों में संवरता भविष्य सभ्यता की दिशा तय करता है। किंतु जब यही हाथ सृजन के औजारों के बजाय विध्वंस के हथियार उठाने लगें, जब ज्ञान की जिज्ञासा हिंसा की उत्तेजना में बदलने लगे और जब शिक्षा के मंदिरों में अनुशासन की जगह अराजकता पनपने लगे, तब यह केवल छात्र जीवन का संकट नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की चेतना के लिए खतरे की घंटी है। विश्व छात्र दिवस इसी संदर्भ में आत्ममंथन का अवसर है। प्रतिवर्ष 15 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व छात्र दिवस भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और ह्यमिसाइल मैनह्व डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती को समर्पित है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिवस को आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किए जाने का दावा नहीं करना चाहिए, फिर भी भारत में यह दिन व्यापक रूप से कलाम के विद्यार्थी-केंद्रित विचारों, शिक्षा के प्रति समर्पण और युवाओं के स्वप्नशील व्यक्तित्व के सम्मान के रूप में मनाया जाता है। डॉ. कलाम के लिए विद्यार्थी केवल परीक्षाओं में अंक प्राप्त करने वाले छात्र नहीं थे, बल्कि वे ऐसे स्वप्नदृष्टा थे, जिनके भीतर देश की तस्वीर बदलने की क्षमता थी। वे बच्चों के बीच जाते, उनसे संवाद करते, उनके प्रश्नों को प्रोत्साहित करते और उन्हें बड़े सपने देखने की प्रेरणा देते थे। उनका विश्वास था कि सपने वे नहीं होते जो नींद में आते हैं, बल्कि वे होते हैं जो व्यक्ति को सोने नहीं देते। उनका जीवन इस बात का प्रमाण था कि साधारण परिस्थितियों में जन्मा व्यक्ति भी असाधारण संकल्प, ज्ञान और परिश्रम से इतिहास रच सकता है।डॉ. कलाम का मिशन केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं था। उनका व्यापक स्वप्न भारत को विकसित, आत्मनिर्भर, ज्ञान-संपन्न और नैतिक रूप से सशक्त राष्ट्र बनाना था। उन्होंने युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, आत्मविश्वास और राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने का प्रयास किया। उनकी दृष्टि में शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका कमाने की योग्यता पैदा करना नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर विवेक, संवेदना, चरित्र और उत्तरदायित्व का विकास करना भी था। वे चाहते थे कि प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा पहचाने, असफलताओं से सीखे और अपनी ऊर्जा को समाज की समस्याओं के समाधान में लगाए। आज प्रश्न यह है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था और छात्र राजनीति उनके इस स्वप्न को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं? समकालीन परिदृश्य का एक चिंताजनक पक्ष यह है कि अनेक शिक्षण संस्थानों में हिंसक टकराव, तोड़फोड़, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, अनुशासनहीनता और शक्ति प्रदर्शन जैसी घटनाएं चिंता उत्पन्न कर रही हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि समूचा छात्र समुदाय इस प्रवृत्ति का शिकार है, क्योंकि इसी पीढ़ी के विद्यार्थी विज्ञान, तकनीक, खेल, पर्यावरण संरक्षण, उद्यमिता और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य भी कर रहे हैं। फिर भी जहां छात्र जीवन की रचनात्मक ऊर्जा नकारात्मक गतिविधियों में खपती है, वहां समाज को उसके कारणों की पड़ताल करनी चाहिए। आखिर जिस उम्र में प्रयोगशालाओं में नए आविष्कार होने चाहिए, उस उम्र में यदि परिसर संघर्ष के अखाड़े बन जाएं, तो यह हमारी सामूहिक विफलता का संकेत है।छात्र आंदोलनों का इतिहास बताता है कि युवाओं की आवाज ने अनेक बार सामाजिक परिवर्तन, लोकतांत्रिक अधिकारों और जनहित के प्रश्नों को नई धार दी है। अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना, व्यवस्था से जवाबदेही मांगना और शिक्षा संबंधी समस्याओं पर संगठित होना छात्र जीवन का सकारात्मक पक्ष है। लेकिन आंदोलन और अराजकता के बीच एक महीन, किंतु निर्णायक रेखा होती है। जब तर्क की जगह ताव, संवाद की जगह टकराव और विरोध की जगह हिंसा ले लेती है, तब उद्देश्य पीछे छूट जाता है और अहंकार आगे आ जाता है। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार अनिवार्य है, लेकिन असहमति के नाम पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, शिक्षकों का अपमान करना अथवा दूसरे विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित करना किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता। आग लगाकर उजाला नहीं किया जा सकता और शाख काटकर वृक्ष को मजबूत नहीं बनाया जा सकता। इस स्थिति के लिए केवल विद्यार्थियों को दोष देना भी समस्या का सरलीकरण होगा। परिवारों में संवाद का अभाव, शिक्षा का बढ़ता व्यावसायीकरण, रोजगार को लेकर अनिश्चितता, मानसिक दबाव, सोशल मीडिया पर आक्रामकता का महिमामंडन, नशे की आसान उपलब्धता और छात्र राजनीति में बाहरी स्वार्थों का हस्तक्षेप भी इस संकट को गहरा सकते हैं।

राशिफल

मेष राशिः आज आपके लिए दिन फायदेमंद रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होगी। कार्यक्षेत्र में आपको बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। व्यापारियों को व्यापार से रिलेटेड यात्रा होने के योग हैं। इस यात्रा से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आज आप धन की बचत करने में कामयाब रहेंगे।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने प्रियजनों और परिवार के बड़ों से सलाह लेकर ही कोई व्यवसाय से संबंधित निर्णय लेंगे। किसी तरह के पैसों के लेन-देन में आज आपको सावधानी बरतने की जरूरत है।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को व्यापार में बड़े लाभ की उम्मीद है। नई व्यापारिक योजनाएं बनाने में कामयाब रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी कोई इच्छा पूरा होने से पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा। आप उच्च शिक्षा के लिए हाई प्रोफाइल संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। परिवार में किसी शुभ कार्य पर आप धन खर्च करेंगे।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन लकी रहने वाला है। आप व्यापार शुरू करने का मन बनाएंगे, जिसमे परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, आज किसी प्रकार की बिजनेस डील हो सकती है। जिससे आप बहुत खुश होंगे। घर के कार्यों में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। लवमेट्स के बीच चल रही अनबन आज समाप्त होगी।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आपके लिए आज का दिन बढि?या रहेगा। कुछ नए संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा। आज आपके व्यापार में उन्नति होने के योग बने हुये है। किसी पारिवारिक समस्या का आज समाधान निकालने में सफल होंगे, परिवार के सदस्यों में ताल-मेल बढ़ेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए आज आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सफलता मिलने के योग है।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन प्रसन्नता पूर्वक बीतेगा। आपको अपने कुछ पुराने मित्रों से मेल-जोल बढ़ाने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र क्षेत्र में दी गई जिम्मेदारियों को आज आप बखूबी निभाएंगे। अपने सीनियर्स के साथ कुछ पुरानी यादों को ताजा करेंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपको किसी प्रकार के लेन-देन के मामले में स्पष्टता रखनी होगी। संतान के करियर में विशेष उपलब्धि मिलने से आपको खुशी मिलेगी। काफी दिनों से स्टार्टअप शुरू करने का प्लान पूरा करने में कामयाब रहेंगे। आज आप एक अच्छे टीम लीडर साबित होंगे। आज आपको किसी भी बात को लेकर बहुत अधिक सोच-विचार करने से बचना होगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों को कोई अच्छी उपलब्धि मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनेगी। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से नौकरी का ऑफर आयेगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपको नौकरी से रिलेटेड कोई शुभ समाचार सुनने को मिलेगा। जिसकी आपको प्रतीक्षा थी। जीवनसाथी की ओर से कोई उपहार मिलने से पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप परिवार के साथ कहीं यात्रा पर जाएंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी दोस्त की मदद से अच्छी जॉब मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को समाज में मान-सम्मान प्राप्त होगा।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। कार्य स्थल पर आपके काम की सराहना होगी। मीडिया और जन संचार से जुड़े लोगों को उनके काम के लिए प्रसिद्धि मिलेगी। अगर आप लेखक है और कोई किताब लिखना चाह रहे हैं तो समय अनुकूल है। सेहत के मामले में आज आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आप धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। छात्रों को सफलता मिलने के योग बने हुए है,

शब्द सामर्थ्य -191

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे
1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 190 का हल

ग	ल	त	■	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	■	रं	■	■	मि
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	छा
■	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	■	प	■	■	य	■
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	■
ची	■	■	प	■	पा	■	■	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

नजरिया

धनंजय राठौर
संयुक्त संचालक, जनसंपर्क रायपुर

छत्तीसगढ़ की शक्तिपीठ परियोजना,पांच प्रमुख शक्तिपीठों का होगा विकास



पर्यटन एक ऐसी यात्रा या भ्रमण है, जो मनोरंजन या फुर्सत के क्षणों का आनंद उठाने के उद्देश्य से किया जाता है। अतिथि देवो भवः भारतीय परंपरा प्राचीन काल से रही है। छत्तीसगढ़ में लगभग 138 स्थलों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के आधार पर पर्यटन स्थल के रूप में प्राथमिकता दी गई है, जिसमें 58 स्मारकों को 11 अभ्यारण 03 राष्ट्रीय उद्यान को संरक्षित घोषित किया गया है। पर्यटन मानव की प्राचीन एवं मौलिक प्रवृत्ति है। पर्यटन धरातलीय तथा मानवीय विभिन्नताओं विविधताओं का अवलोकन कर ज्ञान की बढ़ोतरी एवं मनोरंजन करता है। छत्तीसगढ़ प्राकृतिक और सांस्कृतिक पर्यटन का एक प्रमुख गंतव्य है। यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक धरोहर ने इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया है।छत्तीसगढ़ सरकार ने उत्तराखंड के चार धाम की तर्ज पर राज्य के प्रमुख धार्मिक स्थलों को जोड़ने के लिए शक्तिपीठ परियोजना की शुरूआत की है। इस परियोजना के तहत लगभग 1,000 किलोमीटर लंबे आध्यात्मिक और धार्मिक पर्यटन कॉरिडोर का विकास किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के प्रमुख शक्तिपीठों एवं महत्वपूर्ण पूजा स्थलों का विकास, सौंदर्याकरण तथा आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। शक्तिपीठों में श्रद्धालुओं के लिए सुगम पहुंच मार्ग, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता, विश्राम स्थल एवं सुरक्षा व्यवस्था जैसी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। छत्तीसगढ़ आस्था पथ (शक्तिपीठ भ्रमण) योजना प्रारंभ करने जा रहे हैं, जिसमें पांचों शक्तिपीठों का भ्रमण एवं दर्शन कराया जाएगा, इसके लिए सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में 5 करोड़ का प्रावधान किया है। प्रदेश के पांच शक्तिपीठों कुदरगढ़, डोगरगढ़, रतनपुर, चन्द्रपुर एवं दंतेवाड़ा को शक्तिपीठ सर्किट के रूप में विकसित करने के लिए बजटीय प्रावधान किया है। इस परियोजना के तहत रतनपुर स्थित मां महामाया, चंद्रपुर की मां चंद्रहासनी, डोंगरगढ़ की मां बम्लेश्वरी, दंतेवाड़ा की मां दंतेश्वरी और सूरजपुर के कुदरगढ़ मंदिर को एक धार्मिक सर्किट के रूप में विकसित किया जाना था। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सरकार गठन के बाद बजट में इसके लिए पांच करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया गया था, जिससे प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलने की उम्मीद थी। इन पाँचों शक्तिपीठों को बेहतर सड़कों, यात्री सुविधाओं, विश्राम स्थलों और सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर से जोड़ना। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल और जिला प्रशासन द्वारा इन मंदिरों में सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का काम तेजी से किया जा रहा है।केंद्र सरकार की प्रसाद योजना के तहत छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले स्थित माँ महामाया मंदिर, रतनपुर के समग्र विकास के लिए 200 करोड़ की कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसे केन्द्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय को प्रेषित की गई है। उक्त कार्य योजना को स्वीकृति मिलते ही एंजेसी तय कर कार्य प्रारंभ की जाएगी। यह मंदिर 11वीं-12वीं शताब्दी के दौरान कलचुरी राजा रत्नदेव प्रथम द्वारा बनवाया गया था और यह माँ महालक्ष्मी एवं माँ महासरस्वती को समर्पित है। यह दक्षिण कोशल क्षेत्र की आराध्य देवी और रतनपुर राज्य की कुलदेवी के रूप में पूजी जाती हैं। इसके अलावा डोंगरगढ़, कुदरगढ़, चंद्रपुर और दंतेवाड़ा की शक्तिपीठों के लिए सीपीआर तैयार करने प्रक्रियाधीन है।प्रसाद योजना के तहत केंद्र सरकार ने प्रथम चरण में देश के 26 धार्मिक तीर्थ स्थलों का चयन किया है। इन्हें पर्यटन के लिहाज से विकसित किया जा रहा है ताकि देश-विदेश के पर्यटक यहां पहुंच सकें। पर्यटन को बढ़ावा मिले। इन स्थलों की प्रसिद्धी का विस्तार हो। हमारे प्रमुख देवी तीर्थ स्थल महामाया मंदिर और दंतेश्वरी मंदिर को प्रसाद योजना में शामिल करवाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया जाकर केंद्र सरकार को भेजा गया है।

यह सुविधाएं की जानी है विकसित

पांचों शक्तिपीठों में गार्डन, ठहने की व्यवस्था, लाइटिंग, हवन-पूजन स्थल, रेलिंग, पानी, सामुदायिक शौचालय, बैठने की व्यवस्था, रोप-वे, पर्यटन मंडल का केंद्र, सीसीटीवी कैमरा, सुरक्षा व्यवस्था और होम स्टे आदि की सुविधाएं विकसित की जानी है। इन स्थलों में बेहतर सड़क संपर्क, स्वच्छ पेयजल, आधुनिक शौचालय, सुव्यवस्थित पार्किंग, पर्यटक सहायता केंद्र, डिजिटल सूचना प्रणाली, प्राथमिक चिकित्सा और सुरक्षा जैसी आवश्यक सुविधाओं को प्राथमिकता के साथ विकसित किया जाएगा। इन पर्यटन स्थलों की विशिष्टता को ध्यान में रखते हुए उनके विकास में स्थानीय वास्तुकला, संस्कृति और प्राकृतिक परिवेश के संरक्षण का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

1. मां बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में स्थित डोंगरगढ़ की सुरम्य पहाड़ियों की गोद में विराजी माँ बम्लेश्वरी देवी इस क्षेत्र की ही नहीं, बल्कि देश-विदेश के लाखों-करोड़ों श्रद्धालुओं की अगाध आस्था का मुख्य केंद्र हैं। समुद्र तल से लगभग 1600 फीट की ऊँचाई पर पहाड़ी पर स्थित यह पवित्र मंदिर माँ शक्ति के पावन रूपों में विशेष स्थान रखता है। छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ में स्थित माँ बम्लेश्वरी मंदिर का इतिहास लगभग 2200 वर्ष पुराना है। यह एक प्रसिद्ध शक्तिपीठ है। 2200 वर्ष पहले यहाँ कामाख्या नगरी (वर्तमान डोंगरगढ़) थी, जहाँ राजा वीरसेन का शासन था। निःसंतान होने पर उन्होंने शिव और दुर्गा की आराधना की। देवी की कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई, जिसके बाद उन्होंने इस मंदिर की स्थापना करवाई। 11वीं शताब्दी में कलचुरी राजा कर्णदेव ने इस मंदिर को पुनर्विकसित किया। बाद में 15वीं-16वीं शताब्दी में गोंड राजाओं ने इस क्षेत्र और मंदिर का विस्तार किया। मां बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ छत्तीसगढ़ ही नहीं देश-विदेशों में भक्तों के लिए आस्था का केंद्र हैं। मां बम्लेश्वरी मंदिर का इतिहास 2500 वर्ष से भी प्राचीन बताया जाता है। केंद्र सरकार ने यहां प्रसाद योजना के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर की परियोजना की घोषणा की है।

2. मां महामाया मंदिर रतनपुर

रतनपुर महामाया मंदिर छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के रतनपुर में स्थित एक प्रसिद्ध और ऐतिहासिक सिद्ध शक्तिपीठ है। बिलासपुर-कोरबा मार्ग पर महामाया देवी का यह मंदिर 1050 ईसवी में बना बताया जाता है। राजा रत्नदेव प्रथम द्वारा स्थापित मंदिर क्षेत्र को कलचुरियों की राजधानी माना जाता है। यह कलचुरी राजाओं की कुलदेवी का ऐतिहासिक मंदिर है, जहाँ माता का कंधा गिरने की मान्यता है।

इस मंदिर का निर्माण 11वीं-12वीं शताब्दी (लगभग 12-13वीं शताब्दी) में कलचुरी वंश के राजा रतनदेव प्रथम द्वारा कराया गया था। बाद में 1492 ईस्वी (विक्रम संवत 1552) में राजा बहार साईं ने वर्तमान मंदिर का जीर्णोद्धार व निर्माण कराया। गर्भगृह में माँ महामाया की दुर्लभ दोहरी (ड्यूअल) प्रतिमा है - आगे महिषासुरमर्दिनी और पीछे देवी सरस्वती की आकृति विराजमान है। ऐसी मान्यता है कि यहाँ माता सती का दाहिना हाथ गिरा था।

3. मां दंतेश्वरी मंदिर दंतेवाड़ा

छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में स्थित माँ दंतेश्वरी मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि स्थानीय जनजातीय परंपरा और सनातन आस्था के अद्भुत मिलन का सबसे बड़ा प्रतीक है। यह मंदिर दंतेवाड़ा में शंखिनी और डंकिनी नदियों के पवित्र संगम तट पर स्थित है, जो सदियों से आदिवासियों और आम लोगों की अगाध श्रद्धा का केंद्र रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यहाँ माता सती के दाँत गिरे थे, जिसके कारण इस पावन स्थल का नाम दंतेवाड़ा और माता का नाम दंतेश्वरी पड़ा। 14वीं शताब्दी में निर्मित इस मंदिर की अधिष्ठात्री देवी को बस्तर के काकतीय राजा अपनी कुलदेवी मानते थे। मंदिर के गर्भगृह में काले पत्थर से निर्मित छह भुजाओं वाली महिषासुरमर्दिनी की भव्य मूर्ति स्थापित है। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा के दौरान इस मंदिर का महत्व सबसे चरम पर होता है। उत्सव के दौरान माता के छत्र और डोली को दंतेवाड़ा से जगदलपुर ले जाया जाता है, जिसमें शामिल होने के लिए दूर-दूर से हजारों आदिवासी और आम श्रद्धालु पैदल पहुँचते हैं। यह आयोजन क्षेत्र की सांस्कृतिक एकता और आपसी भाईचारे को दर्शाता है।

4. मां बागेश्वरी कुदरगढ़ धाम

सूरजपुर जिले के ओडगी विकासखंड स्थित बागेश्वरी माता को राक्षसों के संहार के लिए जाना जाता है। यह शक्ति एवं साहस का प्रतीक माना जाता है। 1500 फीट ऊंचे पहाड़ों पर स्थित यह मंदिर चारों ओर घने जंगलों से घिरा है। मान्यता के अनुसार कुदरगढ़ क्षेत्र मां भगवती पार्वती की तपोस्थली रही हैं। जहां माता भगवती ने शक्ति का रूप धारण कर राक्षसों का संहार किया था। बाद में इसी जगह पर लगभग चार सौ साल पहले राजा बालंद ने माता बागेश्वरी को स्थापित किया, वे माता के भक्त थे। बाद में चौहान वंश के राजा ने बालंद को युद्ध में पराजित कर दिया था, जिसके बाद उसी वंश ने माता के मंदिर की देख रेख की। तब से हर साल नवरात्र में सुबह की पहली आरती चौहान वंश के वंशज ही यहां करते हैं। 18वीं सदी में चौहान राजाओं ने छत्तीसगढ़ के मूल आदिवासी बैगा जनजाति को माता के देख-रेख और पूजा की जिम्मेदारी सौंपी थी, तब से आज तक बैगा समुदाय के लोग ही माता कि पूजा करते है।

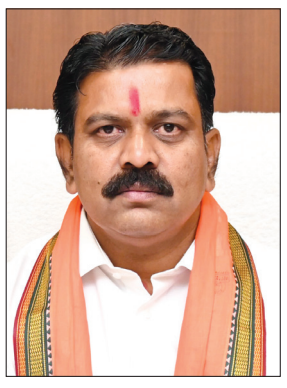
5. मां चंद्रहासिनी चंद्रपुर

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले (पूर्व में जांजगीर-चांपा) के चंद्रपुर में महानदी के तट पर स्थित मां चंद्रहासिनी देवी का मंदिर एक प्रसिद्ध सिद्ध शक्तिपीठ है। यह मंदिर महानदी और मांड नदी के संगम के पास चंद्रपुर में स्थित है। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, संबलपुर के राजा चंद्रहास ने इस मंदिर का निर्माण करवाया था, जिसके कारण इस स्थान का नाम 'चंद्रपुर' और देवी का नाम 'चंद्रहासिनी' पड़ा। वर्ष 1522 में चांद्रपुर के गोंड राजा धुंध्या राम साह अत्राम ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था। गोंड राजाओं ने मां को अपनी कुलदेवी माना और शक्ति पूजा की परंपरा को आगे बढ़ाया।सक्ती जिला स्थित मां चंद्रहासिनी मंदिर का इतिहास काफी प्राचीन है। यह चंद्रपुर की पहाड़ी पर स्थित हैं। मंदिर की सुंदर कलाकृति प्राचीनता का अनुभव कराती है। लोगों की माता को लेकर बड़ी आस्था है। इसे 52 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है, और ऐसी मान्यता है कि यहां माता सती का बायां कान गिरा था। वर्ष 1935 में महानदी में भीषण बाढ़ आई थी। तब राजा चंद्रहास के वंशज ठाकुर शशिभूषण ने माता को बकरा बलि अर्पित कर प्रार्थना की, जिसके बाद नदी का जलस्तर कम हो गया और लोगों की जान बची। आज भी नदी के पास पत्थर पर माता के पद-चिह्न मौजूद हैं, जिनकी पूजा की जाती है।राज्य के आर्थिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक पारिस्थितिकी दृष्टि से संवहनीय पर्यटन को प्रोत्साहित करना है। छत्तीसगढ़ में पर्यटन, अनुभव की गुणवत्ता एवं आकर्षण को सुदृढ़ करना, छत्तीसगढ़ की समृद्ध एवं विविध सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार करना, आर्थिक विकास एवं संबन्धित क्षेत्रों में पर्यटन के योगदान में वृद्धि करना। पर्यटन से संबन्धित अधोसंरचना के विकास में निजी निवेशकों के प्रयत्नों को प्रोत्साहित करना। शासन की भूमिका को सुविधापरक बनाना, पर्यटन के क्षेत्र में नई अवधारणाएं जैसे- टाइम शेयर, पारिस्थितिकी पर्यटन, साहसिक पर्यटन, इत्यादि को बढ़ावा देना। स्थानीय समुदाय की बौद्धिक सम्पदा एवं अधिकारों का सम्मान करना। छत्तीसगढ़ में पर्यटन को उद्योग का दर्जा देना, जिससे बेरोजगारों को रोजगार मिलने की संम्भावना होगी।

पीएम आवास निर्माण में गड़बड़ी और गरीबों के हक की राशि में हेराफेरी कतई बर्दाश्त नहीं

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गरीबों और जरूरतमंद परिवारों के आवास निर्माण में किसी भी प्रकार की अनियमितता, लापरवाही और हितग्राहियों के साथ धोखाधड़ी को लेकर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब परिवारों के पक्के घर का सपना पूरा करने की महत्वपूर्ण योजना है। इसमें किसी भी स्तर पर गड़बड़ी या हितग्राहियों के हक की राशि का दुरुपयोग कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आवास निर्माण में कोताही बरतने और गरीबों के साथ धोखाधड़ी करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मंशा है कि प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को पक्का आवास मिले। विशेष रूप से दूरस्थ वनांचलों में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गरीबों के आवास निर्माण के लिए स्वीकृत राशि पर केवल हितग्राहियों का अधिकार है। इस राशि का दुरुपयोग करने अथवा आवास निर्माण के नाम पर हितग्राहियों को परेशान करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।



'कबीरधाम में बड़ी कार्रवाई, दो ठेकेदारों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज'-कबीरधाम जिले के विकासखंड बोड़ला अंतर्गत प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के हितग्राहियों से आवास निर्माण के नाम पर राशि लेकर निर्माण कार्य नहीं करने की शिकायतों पर दो अलग-अलग मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। दोनों मामलों में कुल 9 हितग्राहियों से 5 लाख 9 हजार रुपए लेने की शिकायत सामने आई है। शिकायतों के आधार पर संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध थाना चिल्फी एवं थाना तरेगांव जंगल में अपराध दर्ज किया गया है। ग्राम पंचायत राजाढ़ार के पांच हितग्राहियों से आवास निर्माण के नाम पर कुल 3 लाख 20 हजार रुपए लेने और निर्माण कार्य नहीं करने के मामले में ठेकेदार कुमार मेरावी के विरुद्ध 14 अक्टूबर को थाना चिल्फी में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 318(4) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। ग्राम राजाढ़ार निवासी श्री देवसिंह से 60 हजार रुपए, श्रीमती मंधोर बाई से 60 हजार रुपए, श्रीमती पुसीया बाई से 60 हजार रुपए, श्रीमती कौशिल्या बाई से 80 हजार रुपए तथा श्रीमती ननकी बाई से 60 हजार रुपए आवास निर्माण के नाम पर लिए गए थे। शिकायत के अनुसार लगभग डेढ़ वर्ष बीतने के बाद भी न तो आवास निर्माण किया गया और न ही हितग्राहियों की राशि वापस की गई। इसके बाद हितग्राहियों की लिखित शिकायत पर ठेकेदार के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया।

'ग्राम पंचायत आमानारा में भी कार्रवाई'- इसी प्रकार विकासखंड बोड़ला की ग्राम पंचायत आमानारा में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के चार हितग्राहियों से आवास निर्माण के नाम पर राशि लेने की शिकायत पर ठेकेदार तुमेश गोड़ के विरुद्ध 13 अक्टूबर को थाना तरेगांव जंगल में एफआईआर दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री बैसाखू बैगा से 64 हजार रुपए, श्रीमती सुकोर बाई से 60 हजार रुपए, श्रीमती सोनिया बाई से 45 हजार रुपये तथा श्रीमती रनो बाई से 20 हजार रुपये सहित कुल 1 लाख 89 हजार रुपए लेने की शिकायत दर्ज कराई गई है। इस मामले में थाना तरेगांव जंगल में अपराध क्रमांक 420 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

गरीबों के आवास निर्माण में लापरवाही करने वालों को नहीं मिलेगी कोई रियायत -विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना केवल मकान निर्माण की योजना नहीं, बल्कि गरीब परिवारों के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व लाने का माध्यम है। विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत आवास निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति गरीब और जरूरतमंद हितग्राहियों को बहला-फुसलाकर उनकी आवास राशि का दुरुपयोग करता है, तो यह अत्यंत गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि आवास निर्माण के लिए स्वीकृत राशि का सदुपयोग सुनिश्चित करना और हितग्राहियों को समय पर आवास उपलब्ध कराना आवश्यक है। इसमें किसी भी स्तर पर अनियमितता सामने आने पर संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। गरीबों के अधिकारों और उनके हितों की रक्षा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का बस्तर आगमन गौरव का अवसर : मुख्यमंत्री साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के प्रस्तावित छत्तीसगढ़ प्रवास के संबंध में हमने राष्ट्रपति महोदया को बस्तर आने का आमंत्रण दिया था। पूर्व में बस्तर के मांझी-चालकी प्रतिनिधियों से भेंट के दौरान भी उनसे बस्तर आने का आग्रह किया गया था, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया था। उनका 22 एवं 23 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ प्रवास प्रस्तावित है। 23 अक्टूबर को वे जगदलपुर जाएंगी और वहां मुरिया दरबार में शामिल होंगी। राष्ट्रपति महोदया का बस्तर आगमन हम सभी के लिए प्रसन्नता और गौरव का अवसर है। मुख्यमंत्री श्री साय ने नक्सली हिंसा से प्रभावित एवं अन्य दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दंतेवाड़ा में आयोजित शिविर को संबोधित किया है। सरकार का प्रयास है कि नक्सली हिंसा से प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता मिले और वे सम्मान एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। प्रदेश में पहली बार आयोजित होने जा रहे अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट मैच के संबंध में मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए प्रसन्नता का विषय है। भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच होने वाले इस मैच में महिला दर्शकों के लिए प्रवेश निःशुल्क रखा गया है।



श्रम आधारित उद्योगों से रोजगार

यश फैन्स की नई इकाई का भूमिपूजन 3500 से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में श्रम आधारित उद्योगों को बढ़ावा देकर युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं, बल्कि उसे रोजगार, स्थानीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और प्रदेश की समृद्धि का माध्यम बनाना है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को नवा रायपुर में यश फैन्स एंड एप्लायंसेस लिमिटेड की प्रस्तावित नई औद्योगिक इकाई का भूमिपूजन किया। इस इकाई की स्थापना पर 150 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश होगा और साढ़े तीन हजार से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से स्थानीय युवाओं और महिलाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। जब युवाओं को अपने ही प्रदेश में काम मिलेगा, तो उनके परिवार आर्थिक रूप से सशक्त होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने नवचयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि किसी युवा को नियुक्ति पत्र देना औद्योगिक निवेश की सबसे सार्थक उपलब्धियों में से एक है, क्योंकि रोजगार व्यक्ति के साथ पूरे परिवार के जीवन में आर्थिक सुरक्षा और नई उम्मीद लाता है।

साढ़े आठ लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास, कौशल विकास, रोजगार सृजन और आधुनिक अधोसंरचना के विस्तार पर काम किया जा रहा है। नई औद्योगिक विकास नीति 2024-2030 के तहत टेक्सटाइल, खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा सहित श्रम आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। प्रदेश को साढ़े आठ लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। अब सरकार का जोर इन प्रस्तावों को धरातल पर उतारने पर है। उन्होंने बताया कि उद्योगों की स्थापना और संचालन को सरल बनाने के लिए जन विश्वास से जुड़े सुधारों के अंतर्गत 279 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने की पहल की गई है। अनुमतियों और स्वीकृतियों की प्रक्रिया को भी सरल एवं समयबद्ध बनाया जा रहा है, ताकि निवेश परियोजनाएं शीघ्र शुरू हो सकें।

सब्सिडी का बजट एक हजार करोड़ से अधिक

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि नई औद्योगिक नीति में निवेश के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी गई है। उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए सब्सिडी का बजटीय प्रावधान लगभग 200 करोड़ रुपए से बढ़ाकर एक हजार करोड़ रुपए से अधिक किया गया है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक और आर्थिक विकास से प्राप्त संसाधनों का उपयोग जनकल्याणकारी योजनाओं को मजबूत बनाने में किया जाएगा।

उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश में छोटे-बड़े तीन हजार से अधिक उद्योग स्थापित हुए हैं, जिनसे 50 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। आगामी औद्योगिक परियोजनाओं से डेढ़ लाख से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर बनने की संभावना है।

यश फैन्स एंड एप्लायंसेस लिमिटेड के सीईओ ए.एन. रविचंद्रन ने प्रस्तावित इकाई की उत्पादन योजनाओं और रोजगार संभावनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर सीएसआईडीसी अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, यश ग्रुप के चेयरमैन रितेश नरेडी, उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, एनआरडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदन कुमार सहित उद्योग जगत के प्रतिनिधि और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सार-बातें

मुख्य सचिव ने नियद-नेल्ला-नार और बस्तर मुन्ने 2.0 के कार्यों की समीक्षा की

नियद नेल्लानार 2.0 : 31 व्यक्तिगत और 14 सामुदायिक योजनाओं का दिया जा रहा है सीधा लाभ

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य शासन की महत्वकांक्षी कार्यक्रम नियद नेल्ला-नार योजना 2.0 और बस्तर मुन्ने 2.0 के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामीणों को सीधे 31 व्यक्तिगत और 14 सामुदायिक योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाने के लिए कार्ययोजना के तहत कार्य किया जा रहा है। नियद-नेल्ला-नार 2.0 के तहत दूरस्थ वनांचल और पूर्व नक्सल प्रभावित 10 जिला- बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर, बस्तर, कोण्डागांव, गरियाबंद, मोहला-मानपुर, अम्बागढ़ चौकी और छुईखदान शामिल है। मुख्य सचिव ने 10 जिलों के दूरस्थ वनांचल एवं पूर्व नक्सल प्रभावित ग्रामों में रहने वाले परिवारों तक व्यक्तिगत हितग्राही मूलक योजनाएं जैसे- मनरेगा जॉब कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन-सक्रिय नल, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री जन-धन योजना शामिल है। इसी प्रकार किसान क्रेडिट कार्ड, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, जनधन योजना, व्यक्तिगत वनाधिकार पट्टा, श्रम कार्ड, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पोषण आहार, टीकाकरण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, स्कूली छात्रों को मध्यान्ह भोजन-गणवेश-पाठ्य पुस्तक, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, जाति प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, ईडब्ल्यूएस ई-प्रमाण पत्र, मतदाता कार्ड, जननी सुरक्षा, वृद्धावस्था/विधवा/दिव्यांगता पेंशन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और उज्ज्वला योजना जैसी कुल 31 योजनाएं शामिल हैं। इसी तरह से 14 सामुदायिक योजना जैसे- पक्की सड़कें, बिजली, पेयजल, स्कूल, आंगनबाड़ी, मोबाइल टॉवर, बैंकिंग सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं योजनाबद्ध ढंग से पहुंचायी जा रही है। मुख्य सचिव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए है कि योजनाओं का लाभ सभी हितग्राहियों को समय-सीमा के अंदर पहुंचायें। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी तालमेल और समन्वय स्थापित कर मिशन मोड पर काम करने के लिए कहा है। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, खनिज साधन विभाग एवं मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी, कौशल विकास विभाग के सचिव बसवराजु एस., लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव श्री मोहम्मद कैसर अब्दुल हक, श्रम विभाग के सचिव श्री हिमशिखर गुप्ता सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबंधित जिलों के कलेक्टर और अन्य विभागीय जिला अधिकारी भी शामिल हुए।



53 लाख की उठाईगिरी का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी रायपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में कपड़ा कारोबारी के 53 लाख रुपये से भरे बैग की उठाईगिरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मनीष यदु (39) और कमलेश कुशवाहा (36) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 53 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल पल्सर मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के तीन बैंक खाते भी फ्रीज कराए हैं। पूरा मामला कटोरा तालाब स्थित संत कंवर राम चौक के पास का है। पुलिस के मुताबिक, शैलेंद्र नगर निवासी किशोर बलवानी की पंडरी कपड़ा मार्केट में रेडीमेड कपड़ों की दुकान है। 9 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 11:40 बजे वह अपनी एक्टिवा से दुकान जाने के लिए घर से निकला था। उसके वाहन के सामने वाले पायदान पर सफेद कपड़े के बैग में नकदी रखी हुई थी। करीब 11:45 बजे वह कटोरा तालाब स्थित संत कंवर राम चौक के पास अप्पू पान ठेला के सामने अपनी एक्टिवा खड़ी कर पान खाने चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटा तो वाहन के पायदान पर रखा नकदी से भरा बैग गायब था। अज्ञात आरोपी बैग सहित नकदी चोरी कर फरार हो चुके थे।



पीड़ित की शिकायत पर सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

एक सप्ताह तक की रेकी, फिर मौका देखकर उड़ाई रकम-मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त तारकेश्वर पटेल के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा सिविल लाइन थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने वारदात से पहले करीब एक सप्ताह तक कारोबारी की रेकी की थी। वे उसके घर से दुकान आने-जाने के समय और रोजमर्रा की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। 9 अक्टूबर को कारोबारी के घर से निकलते ही दोनों ने उसका पीछा किया और कटोरा तालाब के पास मौका मिलते ही नकदी से भरा बैग लेकर फरार हो गए।

हजारों CCTV कैमरों के फुटेज खंगालकर आरोपियों तक पहुंची पुलिस-वारदात के बाद पुलिस ने घटना स्थल और आरोपियों के संभावित भागने के रास्तों पर लगे हजारों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज में बिना नंबर प्लेट की पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध दिखाई दिए। पुलिस ने एक कैमरे से दूसरे कैमरे के फुटेज का क्रमवार विश्लेषण कर आरोपियों की गतिविधियों का पता लगाया। जांच में सामने आया कि आरोपी पहचान छिपाने के लिए बार-बार कपड़े बदल रहे थे और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी से बचने के लिए वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल कर रहे थे।

तकनीकी साक्ष्यों और अन्य जानकारियों के आधार पर पुलिस ने दोनों संदिग्धों की पहचान मनीष यदु और कमलेश कुशवाहा के रूप में की। इसके बाद दोनों को पकड़कर पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया।

गीजर, टीवी के पीछे और बच्चों के खिलौनों में छिपाए थे रुपये-पुलिस के मुताबिक, वारदात के बाद आरोपियों ने चोरी की रकम को अपने घर में अलग-अलग जगहों पर छिपा दिया था। नकदी का एक हिस्सा गीजर के अंदर, टीवी के पीछे और बच्चों के खिलौनों में रखा गया था। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने कुल 53 लाख रुपये नकद बरामद किए।

संकट से गुजर रहे मिनी स्टील प्लांट एसोसिएशन ने विद्युत नियामक आयोग को लिखा पत्र

रायपुर ■ दैनन्दिनी

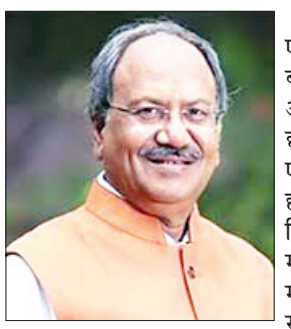
मिनी स्टील प्लांट उद्योग अनियमित विद्युत कटौती/लोड शेडिंग से जूझ रहे हैं. संचालन की आ रही परेशानियों के बीच छत्तीसगढ़ मिनी स्टील प्लांट एसोसिएशन की ओर छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग को पत्र लिखा है, जिसमें सितम्बर एवं अक्टूबर माह के लोड फैक्टर गणना एवं डिमांड चार्ज में छूट तथा लोड शेडिंग को शेड्यूलिंग करने की मांग की है. छत्तीसगढ़ मिनी स्टील प्लांट एसोसिएशन के महासचिव मनीष धुप्पड़ ने पत्र के जरिए बताया कि मिनी स्टील प्लांट उद्योगों में कार्यरत इस्पात निर्माण की विद्युत आपूर्ति के कारण अत्यधिक आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं, क्योंकि लगातार विद्युत कटौती/ लोड शेडिंग से उत्पाद माल पूर्ण तैयार नहीं हो पाता. पुनः उसे तैयार करने में फिर से उतना ही बिजली, मजदूरी एवं मशीनों को कार्य लेना पड़ रहा है, जिससे अत्यधिक वित्तीय भार का सामना करना पड़ रहा है। इससे शासन को भी राजस्व को नुकसान हो रहा है, और रोजगार तथा उद्योगों को करोड़ो रूपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है. चूंकि मिनी स्टील प्लांट लगातार चलने वाले उद्योग हैं, ऐसे में अघोषित बिजली कटौती / लोड शेडिंग से लोड फैक्टर प्रोत्साहन से वंचित होना पड़ रहा है. इसके साथ मिनी स्टील प्लांट उद्योगों को डिमांड चार्ज भी प्रति यूनिट 60-65 पैसे से बढ़कर प्रति यूनिट लगभग 1.20 -125 रूपए पहुंच जा रहा है. ऐसी स्थिति मिनी स्टील प्लांट उद्योगों को अत्यधिक वित्तीय नुकसान उठाना पड़ रहा है, जिसे ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी को विद्युत कटौती नहीं करने के साथ विद्युत खरीद कर आपूर्ति करने की मांग की है. इसके साथ सितम्बर माह में विद्युत कटौती को आपातकालीन असमान्या स्थित घोषित करते हुये लोड फैक्टर में राहत (Relief) देते हुए सितम्बर माह के अघोषित पॉवर आवर्स को अतिरिक्त 120 घंटों का छूट प्रदान किया जाये. अक्टूबर में भी जो 12 तारीख तक लगभग 126 घंटे अघोषित विद्युत कटौती की गई है, तथा आगे भी अघोषित विद्युत कटौती को देखते हुए आपातकालीन असमान्या स्थित घोषित करते हुये अक्टूबर माह में पॉवर आवर्स को अतिरिक्त 240 घंटों का छूट प्रदान किया जाए. इसके अलावा मिनी स्टील प्लांट उद्योगों का डिमांड चार्ज जो प्रति यूनिट 60-65 पैसे लगाता था, वह सितम्बर एवं अक्टूबर माह में विद्युत कटौती के कारण डिमांड चार्ज बढ़कर प्रति यूनिट लगभग 1.20 – 1.25 रूपये पहुंच रहा है, इस पर भी अवश्य छूट दी जाए. छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी ने सारे उद्योगों को 12 ग्रुप में बांटा है।



रायपुर एवं अंचलवासियों को रेलवे की बड़ी सौगात : सांसद बृजमोहन अग्रवाल के प्रयासों से 3 नई मेमू ट्रेनों के परिचालन को मिली मंजूरी

रायपुर–रावघाट तथा रायपुर–कुरुद रूट पर जल्द दौड़ेंगी नई मेमू ट्रेनें

रायपुर ■ दैनन्दिनी



रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं वरिष्ठ जनप्रतिनिधि श्री बृजमोहन अग्रवाल के निरंतर और अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ की रेल कनेक्टिविटी को एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। जनसुविधा के विस्तार और क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय, भारत सरकार ने रायपुर से रावघाट और कुरुद के बीच 3 नई मेमू (MEMU) यात्री ट्रेनों के परिचालन को औपचारिक स्वीकृति प्रदान कर दी है।

केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल को पत्र लिखकर इन नई रेल सेवाओं की स्वीकृति की जानकारी दी है। पत्र के अनुसार निम्नलिखित नई रेलगाड़ियों के परिचालन की मंजूरी दी गई है:

* गाड़ी सं. 68768 / 68769 : रायपुर – रावघाट मेमू
* गाड़ी सं. 68772 / 68771 : रायपुर – कुरुद मेमू
* गाड़ी सं. 68774 / 68773 : रायपुर – कुरुद मेमू

क्षेत्रीय विकास और आमजन की सुविधा को मिलेगी नई गति

इस ऐतिहासिक सौगात पर खुशी व्यक्त करते हुए सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, "हमारा निरंतर संकल्प रहा है कि क्षेत्र की जनता को बेहतर, सुगम और किफायती आवागमन के साधन सुलभ हों।

मैंने रेल मंत्री से मेमू ट्रेनों के संचालन के लिए अनुरोध किया था, जिसके बाद इनके परिचालन को हरी झंडी मिल गई है। रायपुर से रावघाट और कुरुद के बीच नई मेमू ट्रेनों के शुरू होने से दैनिक यात्रियों, नौकरीपेशा वर्ग, किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों तथा सुदूर अंचल से राजधानी आने-जाने वाले मरीजों एवं आम नागरिकों को सीधी और त्वरित यात्रा सुविधा मिलेगी। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि क्षेत्र के व्यापारिक और सामाजिक संपर्क को भी नई मजबूती प्राप्त होगी।"

प्रधानमंत्री और रेल मंत्री का जताया आभार

श्री अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के विकास को सदैव प्राथमिकता देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और जनभावनाओं के अनुरूप त्वरित निर्णय लेने वाले संवेदनशील रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केंद्र की डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में बुनियादी ढांचे और रेल तंत्र का अभूतपूर्व आधुनिकीकरण एवं विस्तार हो रहा है।

भारतीय खिलाड़ी ने इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया रिटायरमेंट का फैसला, एक दशक से अधिक लंबा रहा करियर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट से पिछले काफी लंबे समय से बाहर चल रहीं शानदार बल्लेबाज पूनम राउत ने 15 अक्टूबर की शाम को इंटरनेशनल क्रिकेट से अपने रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया। पूनम राउत ने साल 2009 में इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना डेब्यू किया था, जिसके बाद उनको तीनों ही फॉर्मेट में खेलने का मौका मिला जिसमें वनडे और टेस्ट में पूनम का बल्ले से शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। पूनम राउत उन चुनिंदा भारतीय महिला खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हैं जो वनडे और टेस्ट दोनों फॉर्मेट में शतक लगाने में कामयाब रही हैं। पूनम ने अपने रिटायरमेंट लेने की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने के साथ दी जिसमें उन्होंने लिखा कि मेरे लिए यह सफर हमेशा यादगार रहेगा जिसमें भारतीय टीम के लिए खेलना सपना पूरा होने जैसा था।



क्रिकेट ने मुझे खेल से ज्यादा दिया

पूनम राउत ने इंटरनेशनल क्रिकेट से अपने रिटायरमेंट लेने के फैसले को लेकर इंस्टाग्राम पर जो पोस्ट किया उसमें उन्होंने लिखा कि मुंबई की सड़कों से लेकर भारतीय टीम की जर्सी पहनने तक का यह सफर किसी आशीर्वाद से कम नहीं रहा। यह एक ऐसा सफर था जिसमें कई बलिदान, संघर्ष, यादगार जीत, कड़े सबक और ऐसे पल शामिल रहे जिनको मैं जीवन भर संजोकर रखूंगी। देश का प्रतिनिधित्व करना सिर्फ एक सपना पूरा होने जैसा नहीं था, बल्कि यह एक ऐसा सौभाग्य था जिसे मैंने हमेशा बहुत गर्व के साथ निभाया। अपने इंटरनेशनल क्रिकेट करियर के इस अध्याय को समाप्त करते हुए, मेरा दिल उन सभी लोगों के प्रति आभार से भरा है जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया, मेरा साथ दिया और मेरी इस जर्नी का हिस्सा बने। क्रिकेट ने मुझे सिर्फ एक करियर ही नहीं दिया, बल्कि मुझे एक मकसद, एक पहचान और एक परिवार भी दिया। मुझमें मौजूद खिलाड़ी भले ही पीछे हट जाए, लेकिन इस खेल के लिए मेरा प्यार कभी रिटायर नहीं होगा। मेरी अगली पारी उस खेल को कुछ वापस देने के बारे में है जिसने मुझे सब कुछ दिया है।

कुलदीप यादव को प्लेइंग XI से बाहर करने पर भड़के आर अश्विन, कहा- इस फैसले में कॉमन सेंस की कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज में स्टार स्पिनर कुलदीप यादव को लगातार मैचों से बाहर रखने पर पूर्व दिग्गज खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन ने भारतीय टीम मैनेजमेंट पर सवाल खड़े किए हैं। अश्विन का कहना है कि जब सामने वाली टीम के बल्लेबाज कुलदीप की गेंदबाजी को समझ नहीं पा रहे हैं और उन्हें खेलने में परेशानी हो रही है, तो ऐसे में उन्हें प्लेइंग-11 से बाहर बैठाना बिल्कुल भी समझदारी नहीं है। बता दें कि कुलदीप को लखनऊ और रांची में खेले गए शुरुआती दो मुकाबलों के बाद इंदौर और हैदराबाद के मैचों की प्लेइंग-11 से बाहर कर दिया गया था।



हैदराबाद टी20 मैच में टीम इंडिया को मिली थी हार

हैदराबाद के स्टेडियम में खेले गए भारत और वेस्टइंडीज के बीच चौथे टी20 मैच में टीम इंडिया की गेंदबाजी बेहद कमजोर नजर आई। इस मैच में वेस्टइंडीज ने 20 ओवरों में 247 रनों का बहुत बड़ा स्कोर बना दिया और भारत यह मुकाबला 24 रनों से हार गया। इस हार के बाद पांच मैचों की सीरीज अब 2-2 से बराबर हो गई है। इसे लेकर पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर हैरानी जताई है कि टीम मैनेजमेंट कुलदीप यादव पर भरोसा क्यों नहीं कर रहा है।

कुलदीप को बाहर रखने वाले फैसले पर अश्विन ने क्या कहा?

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि यह फैसला बहुत हैरान करने वाला है। जिस मैदान पर गेंद को अच्छी उछाल मिलने की उम्मीद थी, वहां वेस्टइंडीज के बल्लेबाज कुलदीप की लेग-स्पिन और गुगली को बिल्कुल समझ नहीं पा रहे थे और काफी परेशान हो रहे थे। ऐसे में अगर आप उसी टीम के खिलाफ कुलदीप को बाहर बैठाते हैं, जो उनकी गेंदों को पढ़ ही नहीं पा रही है, तो इस फैसले में साफ तौर पर कॉमन सेंस की कमी दिखती है। अश्विन का मानना था कि हैदराबाद जैसे बड़े स्कोर वाले मैच में अगर कुलदीप खेल रहे होते, तो वह 15 से 20 रन बचा सकते थे, जिससे मैच का नतीजा भारत के पक्ष में आ सकता था।

शुरुआत के दो मैचों में कैसा था अश्विन का प्रदर्शन?

अश्विन ने बताया कि कुलदीप यादव ने पहले टी20 मैच में 33 रन देकर 2 विकेट लिए थे, जबकि रांची में खेले गए दूसरे मैच में उन्होंने 53 रन दिए थे और भारत वह मुकाबला हार गया था। इस पर बात करते हुए अश्विन ने कहा कि अगर इंदौर के छोटे मैदान की छोटी बाउंड्री को ध्यान में रखकर कुलदीप को नहीं खिलाया गया, तो उस फैसले को ठीक माना जा सकता है। लेकिन ऐसा माहौल बनाना कि रांची में भारत की हार की सिर्फ कुलदीप की वजह से हुई, बिल्कुल गलत है। हार का सारा ठीकरा अकेले कुलदीप पर फोड़ना सही नहीं है।

श्रीलंका को ट्राई वनडे सीरीज से पहले लगा बड़ा झटका पथुम निसांका हुए बाहर, रिप्लेसमेंट का हुआ ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका क्रिकेट टीम अभी पाकिस्तान के लंबे दौरे पर है, जहां उसने मेजबान टीम के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलने के बाद अब 18 अक्टूबर से वनडे ट्राई सीरीज खेलनी है, जिसमें उससे पहले उनको एक बड़ा झटका लगा है। श्रीलंकाई टीम का ऐलान इस वनडे ट्राई सीरीज के लिए काफी पहले कर दिया गया था, जिसमें पथुम निसांका को भी शामिल किया गया था, लेकिन इंग्लैंड के दौरे पर हैमस्ट्रिंग इंजरी से अभी तक पूरी तरह से उबरने की नहीं वजह से इस सीरीज से बाहर हो गए हैं जो श्रीलंकाई टीम के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। श्रीलंका क्रिकेट की तरफ से निसांका के बाहर होने की जानकारी के साथ उनकी जगह पर रिप्लेसमेंट प्लेयर के नाम का भी ऐलान कर दिया गया है।

पाकिस्तान की मेजबानी में होनी वाली इस वनडे ट्राई सीरीज में श्रीलंका के अलावा तीसरी टीम इंग्लैंड की है। इस त्रिकोणीय सीरीज के लिए जब श्रीलंकाई टीम के स्क्वाड का ऐलान हुआ था तो पथुम निसांका को लेकर पहले ही फिटनेस संबंधी मंजूरी मिलने के बाद खेलने की जानकारी दी गई थी, जिसके बाद अब मेडिकल टीम से मंजूरी नहीं मिलने के साथ निसांका बाहर हो गए हैं। श्रीलंका क्रिकेट ने स्क्वाड में निसांका की जगह पर लाहिरू उडाना को शामिल किया है। उडारा ने अभी तक वनडे में डेब्यू नहीं किया है, लेकिन वह श्रीलंका के लिए पांच टेस्ट और 7 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। वह सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ तीन T20I और इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान के खिलाफ तीन T20I मैचों में खेले थे। पथुम निसांका को हैमस्ट्रिंग इंजरी इंग्लैंड के दौरे पर हुई थी, जिसके चलते वह पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर रहे थे। निसांका को श्रीलंका के पाकिस्तान के इस दौरे पर 9 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम में भी शामिल किया है। हालांकि, उनका खेलना पूरी तरह से उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। वहीं ट्राई वनडे सीरीज को लेकर बात की जाए तो उसका पहला मैच 18 अक्टूबर को पाकिस्तान और श्रीलंका की टीम के बीच में रावलपिंडी के स्टेडियम में खेला जाएगा।

वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने तूफानी अंदाज में ठोके 173 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व विस्फोटक ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने अपने शानदार खेल से एक बार फिर महफिल लूट ली है। हाल ही में खेले गए विनू मनकड़ ट्रॉफी एलीट मुकाबले में आर्यवीर ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 173 रनों की शानदार और ऐतिहासिक पारी खेली। इस बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर दिल्ली अंडर-19 टीम ने मैच में 50 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 289 रन का स्कोर खड़ा किया।

आपको बता दें कि इस टूर्नामेंट में आर्यवीर सहवाग दिल्ली U19 की कप्तानी कर रहे हैं।

आर्यवीर ने लगाए 19 चौके और 8 छक्के

चंडीगढ़ अंडर-19 के खिलाफ खेले गए इस मुकाबले में दिल्ली अंडर-19 की शुरुआत काफी अच्छी रही। आर्यवीर और आर्यन बग्गा ने मिलकर पहले विकेट के लिए 98 रन जोड़े।

बग्गा 39 गेंदों में 47 रन बनाकर आउट हुए। आर्यवीर की बात करें तो उन्होंने मैदान के चारों तरफ बेहतरीन शॉट लगाए और गेंदबाजों को संभलने का कोई मौका नहीं दिया। आर्यवीर ने अपनी इस बड़ी पारी में महज 143 गेंदों का सामना करते हुए 173 रन कूट डाले।

इस दौरान उनके बल्ले से कुल 19 शानदार चौके और 8 गगनचुंबी छक्के निकले। यानी उन्होंने अकेले कुल 27 बाउंड्री (चौके-छक्के) की मदद से 124 रन बना दिए। उनका स्ट्राइक रेट भी 120 के ऊपर का रहा, जिसने साबित कर दिया कि उन्हें अटैकिंग बल्लेबाजी करना पसंद है।



दिल्ली के बाकी के बल्लेबाज रहे फ्लॉप

आर्यवीर के अलावा बाकी बल्लेबाजों ने क्रीज पर टिकने की कोशिश की लेकिन इसमें वो कामयाब नहीं हो सके। टीम के लिए श्रीहन आहूजा ने 3 रन, विकेटकीपर अभिरज गगन सिंह ने 18 रन और उदय चावला ने 7 रन बनाए। पारी के अंत में शांतनु यादव ने नाबाद 27 रनों और औम ने नाबाद 8 रनों की उपयोगी पारी खेलकर स्कोर को आगे बढ़ाया, जबकि यथार्थ सिंह चौहान अपना खाता खोले बिना रन आउट हो गए। इस तरह दिल्ली की पूरी टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 289 रन बनाने में कामयाब हो पाई।

चंडीगढ़ की गेंदबाजी की बात करें तो वहां रुपेश यादव ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। उन्होंने 10 ओवर में 42 रन खर्च किए, इस दौरान उन्होंने 2 मेडन ओवर फेंके। उनके अलावा श्रेष्ठ दुग्गल, गगनप्रीत सिंह और अभय सिंह को 1-1 सफलता मिली।

व्यापार

शेयर बाजार में फिर बिकवाली का दबाव, सेंसेक्स 250 अंक लुढ़का

मुंबई (एजेंसी)। कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन शुक्रवार यानी 16 अक्टूबर को भारतीय शेयर बाजार में बीते दिनों की तूफानी तेजी पर ब्रेक लगता नजर आया। वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों और मुनाफावसूली के चलते घरेलू बेंचमार्क इंडेक्स लाल निशान में कारोबार करते दिखे। सत्र की शुरुआत के साथ ही सेंसेक्स 250 अंक टूट गया, वहीं निफ्टी भी 60 अंकों से ज्यादा फिसलकर कारोबार करता दिखा। हालांकि, बाजार में आई इस चौतरफा सुस्ती के बावजूद आईटी और टेलीकॉम सेक्टर्स के दिग्गज शेयरों ने मोर्चे को संभाले रखा।



शुक्रवार को बाजार के मुख्य सूचकांकों पर बिकवाली का दबाव देखा गया। बीएसई सेंसेक्स 250 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,064.96 के स्तर पर आ गया। जबकि निफ्टी 64.10 अंक यानी 0.28 प्रतिशत टूटकर 23,933.25 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। बाजार में एडवांस्ड-डिक्लाइन रेशियो लगभग बराबरी के स्तर पर बना रहा। शुरुआती कारोबार में 1,119 शेयरों में मजबूती दर्ज की गई, जबकि 1,076 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए और 183 शेयरों के भाव बिना किसी बदलाव के स्थिर रहे।

IT और PSU बैंकों को छोड़कर बाकी इंडेक्स पस्त

सेक्टरवार प्रदर्शन की बात करें तो आईटी (IT) और सर्विसेज इंडेक्स में तेजी बनी रही, जबकि ज्यादातर सेक्टर्स लाल निशान में आ गए। निफ्टी आईटी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1.54% की बढ़त दर्ज की और 31,193.90 के स्तर पर पहुंचा। वहीं, निफ्टी सर्विसेज में 0.50% और निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.11% का उछाल देखा गया। दूसरी तरफ, निफ्टी रियल्टी (-0.73%), निफ्टी एफएमसीजी (-0.63%), निफ्टी एनर्जी (-0.61%), निफ्टी बैंक (-0.26%), निफ्टी इंफ्रा (-0.29%) और निफ्टी फार्मा (-0.16%) बिकवाली के दबाव में नजर आए।

टॉप गेनर्स और लूजर्स स्टॉक्स

टॉप गेनर्स स्टॉक्सः टेक महिंद्रा (+5.15%), इंफोसिस (+3.59%), टीसीएस (+3.10%), एचसीएल टेक (+1.76%), भारती एयरटेल (+1.06%), जेएसडब्ल्यू स्टील (+0.21%), टाइटन (+0.11%), एचडीएफसी बैंक (+0.10%) और हिंडाल्को हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

टॉप लूजर्स स्टॉक्सः बीएसई लिमिटेड (-2.61%), एचडीएफसी लाइफ (-2.28%), जियो फाइनेंशियल (-1.83%), श्रीराम फाइनेंस (-1.44%), रिलायंस इंडस्ट्रीज (-1.43%), बजाज फिनसर्व (-1.36%), ग्रासिम (-1.31%), टाटा कंज्यूमर (-1.29%), हिंदुस्तान यूनिलीवर (HUL) (-1.11%), ट्रेंट (-1.05%) और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस गिरावट की अगुवाई कर रहे थे।

CJP के प्रदर्शन से दिल्ली के खान मार्केट से कनॉट प्लेस तक कारोबार ठप; सुप्रीम कोर्ट पहुंचे व्यापारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लगातार हो रहे प्रदर्शनों और बैरिकेडिंग का असर खान मार्केट और कनॉट प्लेस के कारोबारियों पर पड़ रहा है। व्यापारियों का कहना है कि प्रदर्शन के कारण ग्राहक बाजारों में आने से बच रहे हैं, जिससे दुकानदारों की कमाई घट रही है। खान मार्केट एसोसिएशन ने दावा किया है कि बाजार को रोजाना करीब 50 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। व्यापारियों ने अपनी परेशानी को लेकर प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी है और सुप्रीम कोर्ट में भी अपनी बात सुने जाने की मांग की है।

खान मार्केट एसोसिएशन के मुताबिक, लगातार प्रदर्शनों के कारण ग्राहक बाजार आने से डर रहे हैं। इससे दुकानों का कारोबार प्रभावित हो रहा है और व्यापारियों की रोजी-रोटी पर संकट पैदा हो गया है। एसोसिएशन का कहना है कि यहां एक दुकान का एक दिन का किराया करीब 3 लाख रुपये तक है। ऐसे में ग्राहक नहीं आने पर दुकानदारों के लिए किराया और दूसरे खर्च उठाना मुश्किल हो रहा है। व्यापारियों की मांग है कि सुप्रीम कोर्ट में उनकी बात भी सुनी जाए,



क्योंकि प्रदर्शनों के कारण सबसे ज्यादा आर्थिक नुकसान कारोबारियों को उठाना पड़ रहा है।

न्यू दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अतुल भार्गव के मुताबिक, पिछले 5 से 7 दिनों से लगातार प्रदर्शन और प्रतिबंधों के कारण कनॉट प्लेस के कारोबार पर असर पड़ा है। उन्होंने बताया कि पहले CJP के प्रदर्शन के दौरान कारोबार सामान्य स्तर के केवल 10 फीसदी तक रह गया था। व्यापारी अभी उस नुकसान से उबरने की कोशिश कर रहे थे कि इसके बाद INDIA ब्लॉक का प्रदर्शन शुरू हो गया। अब आगे होने वाले धरनों को लेकर भी दुकानदार चिंतित हैं। उनका कहना है कि पिछले दो महीनों में कनॉट प्लेस और आसपास के बाजारों के व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर कारोबार के लिहाज से बेहद अहम महीने हैं। दुकानदारों ने त्योहारों के सीजन को देखते हुए पहले ही सामान खरीदकर स्टॉक कर लिया है, लेकिन ग्राहक नहीं पहुंच रहे।

कनॉट प्लेस में करीब 2000 दुकानें

आपको बता दें कि पूरी कनॉट प्लेस में करीब 2000 के लगभग दुकानें हैं, जिसमें से 1300 से 1400 दुकानें कनॉट प्लेस के इनर सर्कल, मिडिल सर्कल और आउटर सर्कल में हैं। यहां पर ऑफिसेस और कैफे भी हैं। उसके अलावा सेंट्रल पार्क 16 और 17 तारीख को बंद रहेगा। इसके साथ-साथ पालिका बाजार है, जहां पर करीबन 300 के लगभग अंडरग्राउंड दुकानें हैं और यही रास्ता शंकर मार्केट से कनेक्ट होता है, जहां पर करीबन 200 के लगभग दुकान हैं। इसका असर पूरी दुकानदारों पर लगातार पड़ रहा है। 16-17 तारीख को लेकर वो जितना चिंतित हैं, उतना ही कारोबार के 25 प्रतिशत और ठप हो जाने को लेकर हैं।

$1.4 ट्रिलियन की डिजिटल इकोनॉमी पर Jio की नजर, IPO से जुटाए पैसे से कर्ज मुक्त बनेगी कंपनी; आकाश अंबानी ने बताया प्लान

मुंबई (एजेंसी)। भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल इकोनॉमी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए जियो ने बड़ा लक्ष्य तय किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल और टेलीकॉम कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स की नजर वित्त वर्ष 2030-31 तक 1.4 ट्रिलियन डॉलर की होने वाली भारतीय डिजिटल इकोनॉमी पर है। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर आकाश अंबानी ने बताया कि आईपीओ से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल कर्ज घटाने में किया जाएगा। इसके बाद कारोबार के विस्तार के लिए कंपनी अपनी कमाई और कैश फ्लो पर निर्भर रहेगी।

आकाश अंबानी के मुताबिक, जियो प्लेटफॉर्म्स पर करीब 3 अरब डॉलर का नेट कर्ज है। कंपनी का लक्ष्य आईपीओ से मिलने वाली पूरी रकम का इस्तेमाल करके खुद को नेट डेट-फ्री बनाना है। कंपनी का प्रस्तावित आईपीओ 37,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का हो सकता है। आकाश ने कहा कि भविष्य में कारोबार बढ़ाने के लिए जरूरी पूंजी कंपनी के ऑपरेशन से होने वाली कमाई से आएगी। यानी कंपनी विस्तार के लिए लगातार बाहरी कर्ज लेने के बजाय अपने कारोबार से पैदा होने वाले पैसे का इस्तेमाल करना चाहती है।

कमाई और मुनाफे में सुधार पर जोर

आकाश अंबानी ने बताया कि जियो के राजस्व का करीब 30% हिस्सा फ्री कैश फ्लो में बदलता है। कंपनी इस रकम को ग्राहकों के लिए नई सुविधाएं विकसित करने और कारोबार बढ़ाने में निवेश करेगी। पिछले तीन वर्षों में जियो का EBITDA मार्जिन 50% से बढ़कर 53% हो गया है। कंपनी को उम्मीद है कि तकनीक के बेहतर इस्तेमाल और नए डिजिटल उत्पादों से इसमें आगे भी सुधार हो सकता है। मोबाइल सेवाओं, होम ब्रॉडबैंड, एंटरप्राइज और डिजिटल सेवाओं से कंपनी को भविष्य में कमाई बढ़ने की उम्मीद है।

सिर्फ डेटा महंगा करने पर निर्भर नहीं रहेगी कंपनी

टैरिफ बढ़ाने की संभावना पर आकाश अंबानी ने कहा कि जियो के पास कीमतें बढ़ाने का ऑप्शन है, लेकिन कंपनी की पहली प्राथमिकता ग्राहकों को ज्यादा सेवाएं देना है।

इंडिगो ने 24 तक, एयर इंडिया ने 20 अक्टूबर तक रद्द की सऊदी अरब जाने वाली उड़ानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब में बिगड़ते सुरक्षा हालात का असर हवाई यात्रा पर भी पड़ रहा है। भारत से सऊदी अरब जाने और वहां से लौटने वाले यात्रियों की परेशानी बढ़ सकती है, क्योंकि कई एयरलाइंस ने अपनी उड़ानें रद्द रखने की अवधि बढ़ा दी है। इंडिगो ने रियाद, जेद्दा, दम्माम और मदीना की उड़ानें 24 अक्टूबर 2026 तक रद्द कर दी हैं। वहीं, एयर इंडिया ने रियाद, दम्माम और जेद्दा आने-जाने वाली उड़ानों को 20 अक्टूबर तक रद्द रखने का फैसला किया है।

इंडिगो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बताया कि सऊदी अरब के बदलते हालात का आकलन करने के बाद 24 अक्टूबर तक सभी संबंधित उड़ानें रद्द रखने का फैसला लिया गया है। एयरलाइन प्रभावित यात्रियों को उनकी बुकिंग के समय दिए गए संपर्क विवरण के जरिए सूचना भेज रही है। अकासा एयर ने भी सुरक्षा स्थिति को देखते हुए रियाद आने-जाने वाली उड़ानों का निलंबन 24 अक्टूबर तक और जेद्दा की उड़ानों का निलंबन 21 अक्टूबर तक बढ़ा दिया है। कंपनी ने कहा कि वह क्षेत्र के हालात पर लगातार नजर रख रही है।



एयर इंडिया ने 16 अक्टूबर को जानकारी दी कि सऊदी अरब की बदलती स्थिति के कारण रियाद, दम्माम और जेद्दा की उड़ानें 20 अक्टूबर तक रद्द रहेंगी। एयरलाइन के मुताबिक, यात्रियों और क्रू की सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। कंपनी हालात का आकलन कर रही है, ताकि सुरक्षित तरीके से परिचालन दोबारा शुरू किया जा सके। इससे पहले एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो और अकासा एयर ने 17 अक्टूबर तक उड़ानें रद्द करने की घोषणा की थी। अब कुछ एयरलाइंस ने इस अवधि को आगे बढ़ा दिया है।

इंडिगो और अकासा एयर ने प्रभावित यात्रियों के लिए राहत की घोषणा की है। अकासा एयर के अनुसार, यात्री पूरा रिफंड ले सकते हैं, जो सात दिनों के भीतर भुगतान के मूल माध्यम में जमा किया जाएगा। इसके अलावा, वे बिना अतिरिक्त शुल्क के अपनी यात्रा की तारीख बदल सकते हैं। एयर इंडिया ने भी प्रभावित यात्रियों को पूरा रिफंड देने की बात कही है।

सुरक्षा हालात के कारण प्रभावित हुई उड़ानें

सऊदी अरब में हालिया हमलों के बाद सुरक्षा चिंताएं बढ़ी हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, रियाद एयरपोर्ट पर भी हमला हुआ था। क्षेत्र में ड्रोन और मिसाइल हमलों की खबरों के बीच एयरलाइंस उड़ानों को लेकर लगातार समीक्षा कर रही हैं।

बालोद में भव्य चैतन्य देवियों की झांकी का आयोजन : आध्यात्मिक रहस्यों और दिव्य संस्कारों से आलोकित हुआ वातावरण



बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर संपूर्ण बालोद शहर भक्ति, पवित्रता और आध्यात्मिक चेतना के अनूठे रंग में रंगा नजर आ रहा है। इस पावन अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, आत्मज्ञान भवन, आमापारा, बालोद के सौजन्य से एक अत्यंत भव्य एवं प्रेरणादायी चैतन्य झांकी का आयोजन किया गया। इस अनूठी झांकी के माध्यम से श्रद्धालुओं को न केवल माँ दुर्गा, माँ लक्ष्मी, माँ सरस्वती, माँ काली और माँ उमा के दिव्य स्वरूपों के दर्शन प्राप्त हुए, बल्कि उनके अंतर्निहित आध्यात्मिक रहस्यों को समझकर जीवन में आत्मबल, चरित्र निर्माण और सकारात्मक मूल्यों को अपनाने का मर्मस्पर्शी संदेश भी दिया गया।

आमापारा स्थित आत्मज्ञान भवन में आयोजित इस आध्यात्मिक चैतन्य झांकी का शुभ उद्घाटन क्षेत्र की गणमान्य हस्तियों की उपस्थिति में गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आधिकारिक शुभारंभ मुख्य अतिथि बहन भारती कुलदीप (सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण), डॉ. प्रीति अग्रवाल (प्रसिद्ध महिला रोग विशेषज्ञ), आशा पटेल (पार्षद, वार्ड क्रमांक 10) एवं ब्रह्माकुमारीज बालोद की संचालिका बीके विजयलक्ष्मी दीदी के करकमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

उद्घाटन अवसर पर उपस्थित प्रबुद्ध अतिथियों ने नवरात्रि के गूढ़ आध्यात्मिक पक्ष पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा में नवरात्रि का त्यौहार मात्र बाह्य पूजा-पाठ, उपवास या धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है। वास्तव में यह पर्व नारी शक्ति का वंदन करने, आंतरिक पवित्रता को साधने, आत्मबल बढ़ाने तथा जीवन में सदाचार और सकारात्मक जीवन मूल्यों को पुनर्जागृत करने का एक अत्यंत पावन अवसर है। झांकी के माध्यम से जन-सामान्य को यह प्रेरणा दी गई कि हमें अपने भीतर की आसुरी वृत्तियों व बुराइयों का त्याग कर श्रेष्ठ गुणों को अंगीकार करना चाहिए। यही समाज में शांति, सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना का मार्ग प्रशस्त करेगा।

कार्यक्रम के दौरान ब्रह्माकुमारी नेहा दीदी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को पाँचों देवियों के आध्यात्मिक स्वरूपों व रहस्यों की अत्यंत सरल एवं मर्मस्पर्शी व्याख्या की। उन्होंने स्पष्ट किया कि देवियों की महिमा केवल उनकी स्तुति या आरती करने में सिद्ध नहीं होती, बल्कि उनके स्वरूपों में समाहित ज्ञान, शक्ति, धन, पवित्रता और शांति जैसे गुणों को अपने व्यावहारिक जीवन में ढालना ही सच्ची भक्ति और साधना है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव भारती कुलदीप ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की जीवंत झांकियाँ मनुष्य को जीवन की वास्तविक साधना से जोड़ती हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में समाज में शैक्षणिक स्तर में तो उल्लेखनीय सुधार हुआ है, लेकिन नैतिक संस्कारों का क्षरण हुआ है। इसी सांस्कृतिक और नैतिक पतन के कारण सामाजिक अपराधों में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने बालोद में राजयोग ध्यान के माध्यम से निःशुल्क शिक्षा और मूल्यनिष्ठ संस्कार प्रदान करने की इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

कार्यक्रम में डॉ. प्रीति अग्रवाल ने अपने विचार रखते हुए कहा कि प्रकृति ने हर नारी के भीतर असीम दैवी शक्तियाँ निहित की हैं। राजयोग के नियमित अभ्यास से इन सोई हुई शक्तियों को आसानी से जागृत किया जा सकता है, जिससे व्यक्ति के भीतर सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक एकाग्रता और अद्भुत आत्मबल का संचार होता है।

संस्थान द्वारा यह विशेष जानकारी दी गई कि नवरात्रि के पावन पर्व के उपरांत 21 अक्टूबर से एक विशेष 5-दिवसीय निःशुल्क राजयोग ध्यान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में कोई भी व्यक्ति अपनी समयानुसार सुविधा से लाभ उठा सकता है। शिविर का समय प्रातःकाल 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक तथा सायंकाल 5:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक रखा गया है, जिसमें से अपनी सुविधानुसार प्रतिदिन 1 घंटे का समय चुनकर भाग लिया जा सकता है। बालोद में आयोजित इस चैतन्य झांकी ने जहाँ श्रद्धालुओं को देवियों के आध्यात्मिक दर्शन से भावविभोर किया, वहीं आगामी राजयोग शिविर आमजन के जीवन में आत्मिक शांति, मानसिक संतुलन और एक नई सकारात्मक जीवनशैली की ओर बढ़ने का एक सुनहरा मार्ग सिद्ध होगा।

वन मंत्री केदार कश्यप और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव का दंतेवाड़ा में आत्मीय स्वागत

न्यू सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया अभिनंदन



दंतेवाड़ा (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा दंतेवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप और जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव के एक दिवसीय दंतेवाड़ा प्रवास के दौरान न्यू सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर दोनों अतिथियों का अभिनंदन किया।

न्यू सर्किट हाउस में हुआ स्वागत एवं अभिनंदन

दंतेवाड़ा प्रवास पर पहुंचे वन मंत्री केदार कश्यप और विधायक किरण सिंह देव का न्यू सर्किट हाउस में स्वागत किया गया।

इस दौरान जिले के जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने उनसे मुलाकात कर उनका अभिवादन किया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान आपसी सौहार्द और आत्मीयता का माहौल देखने को मिला।

विधायक और कलेक्टर ने किया स्वागत

स्वागत कार्यक्रम में दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी और कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। दोनों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति ने जिले में आयोजित इस औपचारिक स्वागत कार्यक्रम को विशेष स्वरूप प्रदान किया।

जिले के जनप्रतिनिधियों की रही मौजूदगी

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुंजाम, नगर पालिका अध्यक्ष पायल गुप्ता और जनपद पंचायत अध्यक्ष सुनीता भास्कर सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके साथ ही वरिष्ठ जनप्रतिनिधि संतोष गुप्ता तथा जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

एक दिवसीय प्रवास पर दंतेवाड़ा पहुंचे मंत्री

वन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप और जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव का यह दौरा जिले के प्रशासनिक एवं जनप्रतिनिधि स्तर पर महत्वपूर्ण रहा।

उनके दंतेवाड़ा पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मिलकर स्वागत किया। न्यू सर्किट हाउस में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने अतिथियों के प्रति सम्मान एवं आत्मीयता व्यक्त की।

इस दौरान जिले के विभिन्न जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी रही।

मिशन वात्सल्य एवं मिशन शक्ति के तहत जागरूकता शिविर आयोजित

विद्यार्थियों को बाल अधिकार, बाल विवाह रोकथाम एवं महिला सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक



बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। । कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी के आदेश एवं मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग, बालोद द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बघमरा में 'मिशन वात्सल्य' एवं 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री गजानंद साहू के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को बाल अधिकार, बाल संरक्षण, महिला सुरक्षा तथा सशक्तिकरण के प्रति जागरूक व सजग बनाना रहा। शिविर में उपस्थित वक्ताओं ने छात्र-छात्राओं को उनके बुनियादी बाल अधिकारों, बाल विवाह की रोकथाम, बाल श्रम उन्मूलन तथा बच्चों के साथ होने वाले किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार की रोकथाम से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं के अधिकारों, सुरक्षा, सम्मान, आत्मनिर्भरता और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान 'मिशन वात्सल्य' के अंतर्गत बच्चों के संरक्षण व कल्याण हेतु संचालित सेवाओं तथा 'मिशन शक्ति' के तहत महिलाओं व बालिकाओं को मिलने वाली सहायता सेवाओं पर प्रकाश डाला गया। छात्र-छात्राओं को आपातकालीन परिस्थितियों अथवा किसी भी प्रकार के शोषण व असुरक्षा की स्थिति में चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 एवं महिला हेल्पलाइन नंबर 181 पर संपर्क करने हेतु प्रेरित किया गया। इसके साथ ही जागरूकता बैनर व पोस्टरों के माध्यम से सुरक्षित वातावरण निर्माण और सर्वांगीण विकास का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर संरक्षण अधिकारी श्रीमती हितेश्वरी मेश्राम, सखी वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक सुश्री एकता कुर्रे, चाइल्ड लाइन के जिला परियोजना समन्वयक वेद प्रकाश साहू, जिला मिशन समन्वयक डॉ. एस. कुमार, केस वर्कर हेमशंकर निर्मलकर, मिशन वात्सल्य के मास्टर ट्रेनर (विकासखंड बालोद) मनीष वैद्य, शाला के प्राचार्य एस. बेक सहित शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

माँ की स्मृति में नगर पालिका अध्यक्ष मुकेश दुबे ने प्रदान किया 'त्रिवेणी स्वर्ग रथ'

तेरहवीं के दिन नगर पालिका को समर्पित किया मुक्तांजलि वाहन, जनप्रतिनिधियों ने परिवार की पहल को सराहा



गौरेला (दैनंदिनी ब्यूरो)। नगर पालिका परिषद गौरेला के अध्यक्ष मुकेश दुबे ने अपनी माता स्वर्गीय त्रिवेणी देवी दुबे की स्मृति में मुक्तांजलि वाहन 'त्रिवेणी स्वर्ग रथ' नगर पालिका परिषद को प्रदान किया। माता की तेरहवीं के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक एवं मरवाही विधायक प्रणव कुमार मरपच्ची ने नगर पालिका को वाहन की चाबी सौंपी।

माता की स्मृति को समाजसेवा से जोड़ते हुए मुकेश दुबे एवं उनके परिवार द्वारा उठाया गया यह कदम जरूरतमंद परिवारों के लिए उपयोगी साबित होगा। मुक्तांजलि वाहन के माध्यम से अंतिम संस्कार के लिए शव परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। इस पहल के जरिए परिवार ने अपनी माता की स्मृति को जनसेवा के कार्य से जोड़ने का प्रयास किया है।

कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद गौरेला के अध्यक्ष मुकेश दुबे के साथ उनके भाई राकेश दुबे, सिद्धार्थ दुबे, ज्योति दुबे, कौस्तुभ दुबे, आयुष दुबे एवं समयांतक दुबे सहित परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष लालजी यादव, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कन्हैया सिंह राठौर, नगर पालिका परिषद गौरेला की उपाध्यक्ष रोशनी तापस शर्मा, जिला पंचायत सदस्य राजेश नंदिनी आर्मो, एल्डरमेन रामप्रकाश सिंह सहित जिले के भाजपा नेता, जनप्रतिनिधि, नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वर्गीय त्रिवेणी देवी दुबे की स्मृति में समर्पित 'त्रिवेणी स्वर्ग रथ' को जनसेवा के प्रति समर्पण की एक पहल के रूप में देखा जा रहा है। इस माध्यम से दिवंगत माता की स्मृति को समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

दुर्गोत्सव एवं दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने शांति समिति की बैठक आयोजित



बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन बालोद द्वारा दुर्गोत्सव एवं दशहरा समितियों के पदाधिकारियों की शांति समिति बैठक आयोजित की गई। बैठक में दुर्गोत्सव के दौरान प्रतिमा एवं ज्योति कलश विसर्जन तथा दशहरा पर्व के कार्यक्रमों को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, यातायात व्यवस्था सुचारू रखने तथा पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में प्रतिमा एवं ज्योति कलश विसर्जन के दौरान निर्धारित व्यवस्था का पालन करने, यातायात को सुचारू बनाए रखने तथा आम नागरिकों की सुविधा एवं सुरक्षा का ध्यान रखने पर जोर दिया गया। दशहरा पर्व के कार्यक्रमों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए समितियों को प्रशासन एवं पुलिस के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सुरेंद्र कुमार वैद्य (अपर कलेक्टर), हरिवंश मीरी (अपर कलेक्टर), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चन्द्रकांत गवर्ना, एसडीएम बालोद नूतन कंवर, एसडीओपी बालोद विनय कुमार एवं तहसीलदार बालोद संध्या नामदेव उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा चौधरी सहित दुर्गोत्सव एवं दशहरा समितियों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन एवं बालोद पुलिस द्वारा सभी दुर्गोत्सव एवं दशहरा समितियों तथा आम नागरिकों से अपील की गई कि पर्व को आपसी सौहार्द, शांति एवं भाईचारे के साथ मनाएं। प्रतिमा एवं ज्योति कलश विसर्जन के दौरान निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करें, यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचें। जिला प्रशासन एवं बालोद पुलिस — शांति, सुरक्षा एवं सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध।

कौन्दकेरा-2 आंगनबाड़ी केंद्र में सहायिका के रिक्त पद के लिए दावा-आपत्ति 26 अक्टूबर तक

रायपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना गरियाबंद अंतर्गत आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती के लिए प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद अनंतिम सूची जारी कर दी गई है। सूची के संबंध में किसी भी प्रकार की दावा-आपत्ति होने पर अभ्यर्थी 26 अक्टूबर 2026 तक पोर्टल के माध्यम से अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना गरियाबंद से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बारूला सेक्टर के अंतर्गत ग्राम पंचायत कौन्दकेरा के कौन्दकेरा-02 आंगनबाड़ी केंद्र में आंगनबाड़ी सहायिका का एक पद रिक्त है। उक्त पद पर भर्ती के लिए 20 अगस्त से 5 सितंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आवेदनों की छानबीन के बाद अनंतिम सूची जारी की गई है। अनंतिम सूची के संबंध में दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने के इच्छुक अभ्यर्थी ई-भर्ती पोर्टल ई-भर्ती पोर्टल पर जाकर 26 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।अभ्यर्थियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने की सलाह दी गई है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, रायगढ़, (छ०ग०)

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्रमांकः 09/त.शा./ का.अ./ लो.स्वा.यां. / **रायगढ़ दिनांक : 15.10.2026**

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से रायगढ़ जिले अंतर्गत रायगढ़ के कोड़ातराई-पुसौर सूरजगढ़ मार्ग में पुसौर चौक से सी०एस.पी.डी.सी. आफिस तक पाईप लाईन शिफिटंग कायएवं अन्य संबंधित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.1 निविदा प्रपत्र कय करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 09.11.2026

1.2 निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि / समय (केवल स्पीड पोस्ट / रजिस्टर्ड डाक) :- 17.11.2026 को सायं 5.00 बजे तक

1.3 निविदा प्रपत्र का मूल्य :- रू. 750/-

2.0 कार्य का विवरणः रायगढ़ जिले अंतर्गत रायगढ़ के कोड़ातराई-पुसौर सूरजगढ़ मार्ग में पुसौर चौक से सी०एस.पी.डी.सी. आफिस तक पाईप लाईन शिफिटंग कार्य।

क्र.	विकासखण्ड	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)	धरोहर राशि (रू. में)
1.	पुसौर	रायगढ़ के कोड़ातराई-पुसौर सूरजगढ़ मार्ग में पुसौर चौक से सी०एस.पी.डी. सी. आफिस तक पाईप लाईन शिफिटंग कार्य।	7.52	15400/-

यह निविदा मूल निविदा का एक अंग है। विस्तृत निविदा एवं पूर्ण जानकारी इस कार्यालय में कार्यालयीन समय में आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड
रायगढ़ (छ०ग०)

जी- 262704049/1



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते



श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सुशासन

से विकास की नई राह...

❖ **कृषक उन्नति योजना**
धान का प्रति क्विंटल 3100 रुपए मिल रहा दाम,
प्रति एकड़ 21 क्विंटल खरीदी

❖ **पीएम आवास**
छत्तीसगढ़ में 26 लाख गरीब परिवारों को
अपना पक्का मकान

❖ **युवाओं के लिए अवसर**
पुलिस विभाग सहित शासकीय भर्तियों में युवाओं
को अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट

❖ **भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित**



❖ **मुफ्त अनाज**
छत्तीसगढ़ के 68 लाख से अधिक गरीब
परिवारों को मुफ्त अनाज

❖ **तेंदूपत्ता संग्राहक पारिश्रमिक:**
₹4000 से बढ़ाकर ₹5500 प्रति मानक बोरा

❖ **नियद नेल्ला नार**
योजना से नक्सलमुक्त सुदूर अंचलों में
बुनियादी सुविधाओं की पहुंच

❖ **सेवा डेरा**
बस्तर में सुरक्षा बलों के कैंप बन रहे जन
सुविधा के आधुनिक केंद्र

संवाद आर.ओ. नं.- 49454/14

सुशासन से समृद्धि की ओर

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com